C M Y K

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 57- शनिवार 27- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार : मद्रास हाईकोर्ट

चैन्नई,26 दिसम्बर 2025। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है। यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं,ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

एयर-प्यूरीफायर पर जीएसटी क्यों नहीं घटा सकते,ताकि आम आदमी खरीद सके : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एयर प्यूरीफायर पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स 18% से घटाकर 5% करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान जस्टिस विकास महाजन और जस्टिस विनोद कुमार की बेंच ने केंद्र से पूछा कि एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी क्यों नहीं घटा सकते। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा- आपको जो भी करना पड़े, कीजिए। फिलहाल एक एयर प्यूरीफायर की कीमत 10-15 हजार रुपए है। जीएसटी को एक ऐसे उचित स्तर पर क्यों नहीं लाया जाता, जहां एक आम आदमी भी इसे खरीद सके। वहीं,केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमण ने याचिका पर ही सवाल खड़े किए। केंद्र ने कहा- कोई एयर प्यूरीफायर सेक्टर में मोनोपोली चाहता है। यह जनहित याचिका है ही नहीं। सरकार जानना चाहती है कि इसके पीछे कौन है। इस पर कोर्ट ने कहा- जीएसटी काउंसिल को फैसला लेने में क्या दिक्कत है? आप जो कह रहे हैं, वे भी वही कह सकते हैं। इसके जवाब में केंद्र ने कहा- इस मामले में संविधान का मुद्दा शामिल है। नियमों के तहत इसमें लंबी प्रक्रिया,लाइसेंसिंग और अन्य औपचारिकताएं शामिल हैं। इससे मुसीबतों का पिटारा खुल जाएगा। भारत सरकार ने हाईकोर्ट से कहा कि जीएसटी काउंसिल एक संवैधानिक संस्था है और जीएसटी एक फेडरल टैक्स है। सभी राज्यों और केंद्र सरकार को इसमें अपनी बात रखनी होती है। अगर किसी प्रस्ताव पर वोटिंग होनी है, तो वह केवल फिजिकल मीटिंग में ही हो सकती है।

उत्तर प्रदेश बना विश्व पर्यटन का बड़ा केंद्र अयोध्या और काशी ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

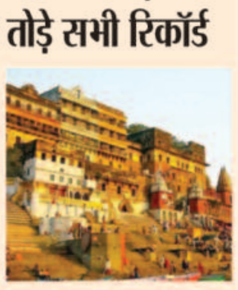

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के दूरदर्शी विजन के चलते आज उत्तर प्रदेश न केवल भारत का, बल्कि पूरी दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र बनकर उभरा है। अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और काशी विश्वनाथ धाम के दिव्य स्वरूप ने श्रद्धालुओं की संख्या में वह ऐतिहासिक उछाल लाया है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन मानी जाती थी। इन आध्यात्मिक केंद्रों के कायाकल्प ने प्रदेश की पहचान को वैश्विक पटल पर एक नई ऊंचाई दी है। पर्यटन विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों ने सबको चौंका दिया है। 2025 में उत्तर प्रदेश आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने पिछले सभी दशकों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों पर दर्शनार्थियों की संख्या अब करोड़ों में पहुंच गई है। यह केवल एक धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक नई संजीवनी साबित हो रही है। पर्यटकों की इस भारी आमद ने स्थानीय व्यापार और सेवाओं को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। अयोध्या अब दुनिया की नई आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो चुकी है। रामलला के मंदिर में विराजमान होने के बाद यहां की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है।

मुख्य सचिवों की बैठक लेंगे पीएम मोदी पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। पीएम मोदी 27 और 28 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं पर आधारित और सतत संवाद के माध्यम से केंद्र-राज्य साझेदारी को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के सहकारी संघवाद के दृष्टिकोण पर आधारित यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है,जहां केंद्र और राज्य भारत की मानव पूंजी क्षमता को अधिकतम करने व समावेशी भविष्य के लिए तैयार विकास को गति देने के लिए एक एकीकृत प्रारूप तैयार करने के लिए सहयोग करते हैं। यह सम्मेलन भारत की जनसंख्या को केवल जनसांख्यिकीय लाभांश के रूप में देखने के बजाय नागरिकों को मानव पूंजी के रूप में स्थापित करने के लिए सहयोगात्मक कार्रवाई का आधार तैयार करेगा। इसके लिए शिक्षा प्रणालियों को मजबूत करने, कौशल विकास पहलों को आगे बढ़ाने और देश भर में भविष्य के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए ठोस रणनीतियां विकसित की जाएंगी। पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य विषय 'विकसित भारत के लिए मानव पूंजी' होगा।

वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया,जेन जी ही देश को आगे ले जाएंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।'

गुलामी की मानसिकता से देश को आजाद नहीं होने दिया गया : पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने गुरु तेगबहादुर को उनके 350वें बलिदान दिवस पर याद किया था। जिन साहिबजादों के पास गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान की प्रेरणा हो, वो मुगल अत्याचारों से डर जाएंगे, ये सोचना ही गलत था। साहिबजादों के बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई। अब भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतियों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं। अब देश के नायक-नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जाएगा, और इसलिए 'वीर बाल दिवस' को हम पूरे मनोभाव से मना रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में, भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है। पीएम मोदी ने कहा, 'जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वो राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है।

बजादों को छोटी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सता से टकराना पड़ा : पीएम मोदी

'वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।' उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई। साहिबजादा अजीत सिंह जी के शब्द आज भी उनके हौसले की कहानी कहते हैं। अजीत सिंह जी ने कहा था कि नाम का अजीत हूं, जीता न जाऊंगा,जीता भी गया तो जीता न आऊंगा।

जेन-जी और जेन अल्फा ही विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने जेन-जी और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा,'आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-जी की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं।' उन्होंने कहा,'पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है,उन्हें मंच देता है।' उन्होंने कहा,'डिजिटल इंडिया की सफलता के कारण आपके पास इंटरनेट की ताकत है,आपके पास सीखने का संसाधन है। जो साइंस, टेक या स्टार्टअप्स में आगे जाना चाहते हैं तो उनके लिए स्टार्टअप इंडिया मिशन है। ऐसे तमाम मंच आपको आगे बढ़ाने के लिए हैं। आपको बस फोकस रहना है और इसके लिए जरूरी है कि आप शॉर्ट टर्म पॉपुलैरिटी की चमक-धमक में न फंसे। आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं मानना है। आपका लक्ष्य होना चाहिए, आपकी सफलता देश की सफलता बननी चाहिए।'

2022 से हुई वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत,मोदी ने बताई अहमियत

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिखों के गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के असाधारण साहस और सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का एलान किया था। उन्होंने आज वीरता पुरस्कार से नवाजे गए बच्चों से मुलाकात के पहले एक्स हैंडल पर लिखा, 'वीर बाल दिवस श्रद्धा का दिन है, जो वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है। हम माता गुजरी जी की अटूट आस्था और श्री गुरु गोविंद सिंह जी की अमर शिक्षाओं को याद करते हैं। यह दिन साहस,दृढ़ विश्वास और सत्यनिष्ठा का प्रतीक है।

क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी समेत 20 प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

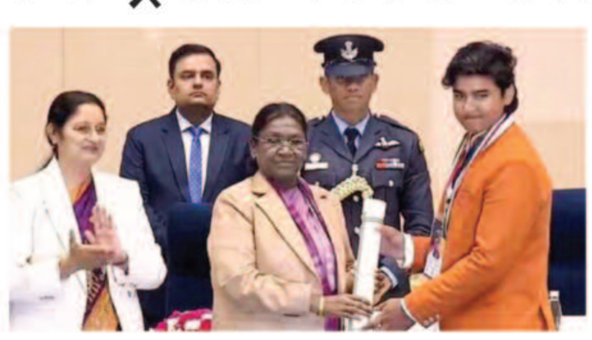

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी सहित देश के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने साहस, खेल, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं नवाचार, समाज सेवा, कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देकर देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से न केवल अपने परिवार बल्कि समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि आज का भारत अपने बच्चों की प्रतिभा,साहस और संवेदनशीलता के बल पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2022 से 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसके पीछे इतिहास का एक अत्यंत प्रेरक अध्याय जुड़ा हुआ है। उन्होंने सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चार साहिबजादों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व सत्य और न्याय की रक्षा के लिए उन्होंने अद्वितीय साहस का परिचय दिया। राष्ट्रपति ने विशेष रूप से नौ वर्ष के बाबा जोरावर सिंह और सात वर्ष के बाबा फतेह सिंह की वीरता का उल्लेख किया, जिन्हें जीवित दीवार में चिनवा दिया गया था। उन्होंने कहा कि उन महान वीर बालकों का बलिदान आज भी देश-विदेश में श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। वीर बाल दिवस न केवल शौर्य का स्मरण है,बल्कि यह देशप्रेम और राष्ट्र एकता का भी उत्सव है। राष्ट्रपति ने कहा कि जिस देश के बच्चे उच्च आदर्शों और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होते हैं, उस देश की मानवता और भविष्य दोनों सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की जयंती का पावन अवसर भी है और इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों की ओर से उन्हें सादर नमन किया।

भारत को सुपरपावर ही नहीं विश्वगुरु भी बनना चाहिए : भागवत

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत आंध्र प्रदेश के तिरुपति दौरे पर हैं। भारतीय विज्ञान सम्मेलन में उद्घाटन कार्यक्रम में शुक्रवार को भागवत ने कहा- भारत का आगे बढ़ना तय है। लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं,बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। हमारे विकास की सोच का आधार धर्म है। धर्म सिर्फ मजहब नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ब्रह्मांड के चलने का तरीका है। इससे पहले आरएसएस चीफ ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए। तिरुपति टाउनशिप के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुजारियों ने उन्हें रेशमी कपड़े पहनाकर सम्मानित किया। मोहन भागवत ने कहा कि हमें लोगों को पुरानी और नई अंधविश्वासों से बाहर निकालने में मदद करनी चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं के समय कई बार मंदिर अपनी मजबूत बनावट के कारण सुरक्षित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि 10,000 साल तक पारंपरिक खेती से जमीन सुरक्षित रही, लेकिन ज्यादा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से समस्याएं पैदा हुई। हालात यह है कि पंजाब से जयपुर तक 'कैंसर ट्रेन' चल रही है।

बंगाल चुनाव से पहले भाजपा को झटका अभिनेत्री पार्णो मित्रा टीएमसी में शामिल

पश्चिम बंगाल,26 दिसम्बर 2025। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक पाला बदलने का दौर एक बार फिर शुरू हो गया है। शुक्रवार को बंगाली सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री पार्णो मित्रा ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का साथ छोड़कर आधिकारिक तौर पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थाम लिया। कोलकाता स्थित तृणमूल भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर राज्य की स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने उन्हें पार्टी का झंडा सौंपकर स्वागत किया। टीएमसी में शामिल होने के तुरंत बाद मीडिया से रूबरू होते हुए पार्णो मित्रा ने काफी भावुक और स्पष्ट बयान दिया। उन्होंने कहा,'सभी इंसान गलतियां करते हैं और समय आने पर उन गलतियों को सुधारना जरूरी होता है। मुझे लगता है कि इस बार मुझे खुद को ठीक कर लेना चाहिए और मैंने वही किया है।'

केरल में भाजपा ने रचा इतिहास...वीवी राजेश बने मेयर,101 में से 50 वार्डों में बीजेपी की जीत

केरल,26 दिसम्बर 2025। भारतीय जनता पार्टी ने केरल में एक नया राजनीतिक इतिहास रच दिया है। शुक्रवार दोपहर वीवी राजेश ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के मेयर पद की शपथ ली। यह केरल में किसी नगर निगम में भाजपा की पहली जीत है। पदभार संभालने के बाद वीवी राजेश ने कहा कि, वे सभी को साथ लेकर शहर के विकास के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि, तिरुवनंतपुरम के सभी 101 वार्डों में समान रूप से विकास कार्य किए जाएंगे और राजधानी को एक विकसित शहर के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। नगर निगम चुनाव में भाजपा ने कुल 101 में से 50 वार्डों में जीत दर्ज की थी। मेयर चुनाव में वीवी राजेश को कुल 51 वोट मिले, जिनमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। एलडीएफ के उम्मीदवार पी. शिवाजी को 29 वोट मिले, जबकि यूडीएफ उम्मीदवार के. एस. सबरिनाथन को 19 वोट प्राप्त हुए,जिनमें से दो वोट बाद में अमान्य घोषित कर दिए गए। लगभग चार दशकों तक एलडीएफ के शासन के बाद अब तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा का मेयर बना है। ये जीत भाजपा के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। इस परिणाम के साथ ही नगर निगम पर सीपीएम का करीब 45 साल पुराना प्रभुत्व समाप्त हो गया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि,सीपीएम ने कांग्रेस के परोक्ष समर्थन से तिरुवनंतपुरम को नुकसान पहुंचाया है।

कोलकाता में हिंदू संगठनों की बांग्लादेश डिप्टी हाई-कमीशन तक रैली

सुवेंदु अधिकारी साधु-संतों के साथ शामिल हुए,बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या का विरोध

कोलकाता,26 दिसम्बर 2025। बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के विरोध में देशभर में प्रदर्शन जारी हैं। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन तक रैली निकाली और उसके सामने प्रदर्शन किया। इस रैली में बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी भी 1000 साधु-संतों के साथ शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कई संत डिप्टी हाई कमीशन के बाहर धरने पर बैठ गए। स्थिति को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने छह सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। मांगों में दीपु चंद्र दास की लिंचिंग के दोषियों और लापरवाह पुलिसकर्मियों को कड़ी सजा देने, अल्पसंख्यक समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई शामिल है। दरअसल बांग्लादेश के ढाका में 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास और 24 दिसंबर को बांग्लादेश के राजबाड़ी अमृत मंडल नाम के युवकों की भीड़ ने हत्या कर दी थी। अमृत को भीड़ ने जबरन वसूली के आरोप में मार डाला।

सुवेंदु बोले...अत्याचार नहीं रुके तो 5 लाख साधु धरने पर बैठेंगे

सुवेंदु अधिकारी ने कहा...दीपू दास के साथ जो हुआ और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में करीब 1000 साधु यहां इकट्ठा हुए हैं। हम शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात अधिकारियों तक पहुंचाना चाहते हैं। अगर अत्याचार नहीं रुके तो गंगासागर मेले में आने वाले 5 लाख संत भी यहां आकर विरोध करेंगे। इस बीच बांग्लादेश से सटे सिलीगुड़ी में ग्रेटर सिलीगुड़ी होटलियर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बांग्लादेशी नागरिकों की होटलों में एंट्री बैन करने का फैसला किया है। संगठन के संयुक्त सचिव उज्जल घोष ने कहा...हमारे लिए देश पहले है, बिजनेस बाद में।

प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान उपाधि नहीं जिन्हें नाम के आगे या पीछे लगाया जाए : हाईकोर्ट

मुंबई,26 दिसम्बर 2025। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण टिप्पणी कर स्पष्ट किया है कि पद्म श्री,पद्म भूषण, पद्म विभूषण और भारत रत्न जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कोई उपाधि (टाइटल) नहीं हैं, इसलिए इन्हें किसी भी व्यक्ति के नाम के आगे या पीछे नहीं जोड़ा जा सकता। अदालत ने यह टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की, जब केस टाइटल में एक पक्षकार के नाम के साथ 'पद्म श्री' लिखा था। मामला जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की एकल पीठ के सामने आया। याचिका में 2004 में पद्म श्री से सम्मानित डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर भी पक्षकार थे। केस के शीर्षक में उनका नाम 'पद्म श्री डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर' के रूप में दर्ज किया था। लेकिन सुनवाई करते समय जैसे ही अदालत का ध्यान इस ओर गया, जस्टिस सुंदरेसन ने इस पर आपत्ति जताकर कहा कि कानून के अनुसार इस तरह पुरस्कार को नाम का हिस्सा बनाना गलत है। अदालत ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के साल 1995 के ऐतिहासिक फैसले का उल्लेख किया।

संपादकीय

जिन कट्टरपंथियों को पाला,वही बने चुनौती

तारिक रहमान की वापसी के बाद यूनुस सरकार पर बढ़ा दवाब

बांग्लादेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। तारिक रहमान 17 साल बाद लौटे हैं और उन्हें अगला पीएम माना जा रहा है। वहीं,अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर मुश्किलें बढ़ रही हैं। कट्टरपंथी नेता की हत्या के बाद सरकार पर गंभीर आरोप लगे हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल के स्वनिर्वासन के बाद गुरुवार को देश लौटे, जिन्हें देश का अगला पीएम माना जा रहा है। इस बीच,अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने जिन कट्टरपंथियों को बढ़ावा दिया था, आज वही देश में शांति-सौहार्द के लिए चुनौती बन गए हैं।

शेख हसीना को पद से हटाने के बाद छात्र नेताओं ने इस उम्मीद के साथ मोहम्मद यूनुस को कमान सौंपी थी कि वह एक बेहतर व्यवस्था की नींव रखने में मदद करेंगे। हालांकि कुछ महीनों बाद ही यह उम्मीद टूटने लगी थी और चुनाव को लेकर जिस तरह की खींचतान मची, उससे लगा कि अब लड़ाई व्यवस्था परिवर्तन नहीं,सत्ता कब्जाने की है। इस कड़ी में कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद उनके भाई के लगाए गए आरोप बेहद संगीन हैं।

हादी के भाई का कहना है कि सरकार से जुड़े लोगों ने हादी को मरवाया, ताकि चुनाव टाला जा सके। सभी दलों को समान अवसर नहीं देने के कारण यह चुनाव पहले ही संदेह के घेरे में है। इस आरोप का मतलब है कि सत्ता में शामिल कुछ तत्व जानबूझकर बांग्लादेश को अस्थिरता की ओर ले जा रहे हैं और वहां भारत विरोधी झूठा नैरेटिव बनाने में भी उन्हीं की साजिश है।

हादी कट्टर विचारधारा के युवा नेता थे,जो जुलाई क्रांति से उभरे थे। बांग्लादेश के मौजूदा माहौल में उनका कद बहुत बढ़ गया था, ऐसे में उनके परिवार की ओर से उठाए गए सवाल मोहम्मद यूनुस पर भारी पड़ सकते हैं। खराब कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन पर पहले से अंतरराष्ट्रीय मंचों का दबाव है।

इस बात पर शुरू से संशय था कि शेख हसीना की पार्टी को चुनाव में हिस्सा लेने दिया जाएगा। अब सरकार का स्पष्टीकरण आ गया है और वह भी उस दिन,जब तारिक रहमान देश लौटे हैं। यह संयोग नहीं हो सकता। विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे तारिक को अंतरिम सरकार में ही राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। उन्हें पीएम पद का दावेदार माना जा रहा है। उनकी पार्टी BNP फिलहाल आगामी आम चुनाव जीतने के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है। लेकिन,क्या अवामी लीग के बगैर होने जा रहे इस चुनाव को बांग्लादेश की जनता का सही मत माना जाएगा।

रिसाइक्लिंग हमारे प्लास्टिक संकट को हल नहीं कर सकती

डॉ विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

मूल तर्क यह है कि प्लास्टिक रिसाइक्लिंग मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है और वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण संकट के पैमाने को संबोधित करने के लिए अपर्याप्त है। अत्यधिक कम पुनर्चक्रण दर लेख में बताया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 6 प्रतिशत से भी कम प्लास्टिक अपशिष्ट का वास्तव में पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। यह कम दर एक कठिन सत्य है जो जनता की समाधान के बारे में धारणा को चुनौती देती है।

प्लास्टिक को पुनर्चक्रित न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है...

कांच और एल्युमीनियम जैसी सामग्रियों के विपरीत, प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन से बना होता है और इसमें लगभग 16,000 रसायन होते हैं जो छंटाई और पुनःप्रसंस्करण को कठिन बनाते हैं। प्लास्टिक की कार्यक्षमता कम हो जाती है: हर बार पुनर्चक्रित होने पर प्लास्टिक की गुणवत्ता में गिरावट आती है (एक प्रक्रिया जिसे डाउनसाइक्लिंग कहा जाता है) । एक प्लास्टिक की बोतल को केवल दो या तीन बार ही दूसरी बोतल में पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है, इससे पहले कि वह कालीन या कपड़े जैसा निम्न-स्तरीय उत्पाद बन जाए, जो अंततः लैंडफिल या भस्मक संयंत्र में पहुंच जाएगा। विलंब करता है, प्रदूषण को नहीं रोकता- इस संदर्भ में पुनर्चक्रण से प्लास्टिक अपशिष्ट को पर्यावरण में समाप्त होने से स्थायी रूप से नहीं रोका जा सकता; यह केवल अपरिहार्य प्रदूषण में देरी करता है। जिम्मेदारी का मिथकःव्यक्तिगत रीसाइक्लिंग पर ध्यान केंद्रित करने को एक विकर्षण के रूप में देखा जाता है, या उपभोक्ताओं के लिए अपने अपराध बोध को कम करने का एक तरीका माना जाता है, जबकि वास्तविक समस्या प्लास्टिक उद्योग द्वारा उत्पादन की भारी मात्रा है। प्लास्टिक की सच्ची कीमत लेख में इस बात पर जोर दिया गया है कि समस्या सिर्फ जीवन के अंत में होने वाले कचरे की नहीं, बल्कि प्लास्टिक के पूरे जीवनचक्र की है।

व्यापक संदूषण

प्लास्टिक प्रदूषण विश्व के हर कोने तक पहुंच गया है, जिसमें आर्कटिक बर्फ, मारियाना ट्रेंच, दूरदराज के पहाड़ शामिल हैं, और चिंताजनक बात यह है कि यह पूरे मानव शरीर में पाया जा रहा है (माइक्रोप्लास्टिक के रूप में) ।

स्वास्थ्य और वित्तीय नुकसान

ऐसा माना जाता है कि प्लास्टिक में मौजूद रसायन कैंसर, दिल का दौरा पड़ना और हार्मोन संबंधी व्यवधान जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े होते हैं। प्लास्टिक से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी क्षति के लिए विश्व भर में प्रति वर्ष कम से कम 1.5 ट्रिलियन डॉलर का खर्च आने का अनुमान है। वास्तविक समाधान लेख का निष्कर्ष है कि चूंकि नुकसान उत्पाद की अवधारणा से शुरू होता है,इसलिए समाधान को स्रोत पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इतना अधिक प्लास्टिक का उत्पादन बंद करें...

प्राथमिक समाधान प्लास्टिक उत्पादन में भारी कमी होना चाहिए। पुनः प्रयोज्य और पुनःभरण योग्य प्रणाली में बदलाव, पुनर्चक्रण हमारे प्लास्टिक संकटों को हल नहीं कर सकता है- कंपनियों को अपने उत्पाद वितरण मॉडल को मौलिक रूप से फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता है ताकि वे एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के बजाय कंटेनरों का पुनः उपयोग और पुनः भराव करने वाली प्रणालियों पर भरोसा करें। कानूनी कार्रवाईः लेख में कहा गया है कि राज्य के अटॉर्नी जनरल प्रमुख प्लास्टिक उत्पादकों (जैसे पेप्सीको और एक्सॉनमोबिल) के खिलाफ उनके प्रदूषण और भ्रामक पुनर्चक्रण दावे दोनों के लिए मुकदमा दायर कर रहे हैं।

मिर्जा गालिब : महान रचनाकार

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हाथों की लकीरों पर मत जा ऐ ग़ालिब, नसीब उनके भी होते हैं, जिनके हाथ नहीं होते...

मिर्जा गालिब साहब के जन्मदिन के मौके पर उनके गजलों की कुछ पंक्तियाँ और कुछ चुनिंदा शेर पेश हैः-

>> इस कदर तोड़ा है मुझे उसकी बेवफाई ने ग़ालिब,
अब कोई अगर प्यार से भी देखे तो बिखर जाता हूँ

>> फिर उसी बेवफा पे मरते है, फिर वही जिंदगी हमारी है,
बेखुदी बेसबब नही गालिब, कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है।

>> ग़ालिब बुरा न मान जो वाइज बुरा कहे,
ऐसा भी कोई है के सब अच्छा कहे जिसे।

>> आह को चाहिए इक उम्र असर होते तक,
कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होते तक।

>> बगीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे,
होता है शब-ओ-रोज तमाशा मिरे आगे।

>> बस-कि दुश्वार है हर काम का आसाँ होना,
आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसाँ होना।

>> दिल-ए-नादाँ तुझे हुआ क्या है,
आखिर इस दर्द की दवा क्या है।

>> इशरत-ए-क़तरा है दरिया में फ़ना हो जाना,
दर्द का हद से गुजरना है दवा हो जाना।

>> काबा किस मुँह से जाओगे ग़ालिब,
शर्म तुमको मगर नहीं आती

>> कहाँ मयखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज
पर इतना जानते हैं कल वो जाता था कि हम निकले।

उर्दू-फारसी के सर्वकालिक महान शायर मिर्जा असदुल्लाह बेग खान उर्फ गालिब अपने मन व देश की मनोदशा को स्वंयम की गजलो व शायरी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते थे। उनके द्वारा रचित शेरो-शायरी आज भी लोगों के जेहन और जुबान पर बनी हुई हैं। कितने ही दौर आये और गए लेकिन गालिब का जादू जो का त्यों है, गालिब को शायरी का पर्यायवाची भी कहा जाता है उनके द्वारा लिखी गई शायरी हर वर्ग के व्यक्ति को पसंद हैं। ग़ालिब की रचनाएँ न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में पसंद की जाती हैं। फारसी कविता के प्रवाह को हिंदुस्तानी जुबान में लोकप्रिय कराने का श्रेय भी इनको दिया जाता हैं। गालिब के लिखे पत्र, जो उस समय प्रकाशित नहीं हुए थे,इन पत्रों को भी उर्दू लेखन का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता हैं।

मिर्जा गालिब का जन्म 27 दिसंबर 1797 को उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ। इनके पूर्वज तुर्की में रहा करते थे,उनके पिता का नाम मिर्जा अब्दुल्लाह बेग खान और माता का नाम इज्जत-उत-निसा बेगम था। 1803 में अलवर में एक युद्ध के दौरान मिर्जा गालिब के पिता की मृत्यु हुई। 11 वर्ष की उम्र से ही मिर्जा गालिब ने कविता लिखना शुरू कर दिया था एवं 13 वे साल में उनकी शादी उमराव बेगम से हुई। उनके सात बच्चे हुए लेकिन एक भी जीवित नहीं रह पाया। आरिफ अर्थात गोद लिया हुआ बेटे को भी अपने बच्चे की तरह पाला पर फिर भी अन्य बच्चो की तरह यह बच्चा भी ज्यादा समय नही जी पाया। ताउम्र उन्हें इस बात का दुःख था, इस बात का जिक्र उन्होने अपनी कविता कैद-ए-हयात-ओ-बंद-ए-गम मे दर्शाया था। मिर्जा गालिब मुगल काल के आखरी शासक बहादुर शाह जफर के दरबारी कवि थे। 1850 में बहादुर शाह जफर द्वितीय के दरबार में गालिब को दबीर-उल-मुल्क की उपाधि से नवाजा गया और इसके अलावा उनको नज्म-उद-दौला के खिताब से नवाजा गया। मिर्जा गालिब का मुगल दरबार में बहुत मान-सम्मान था। 1854 में खुद बहादुर शाह जफर ने उनको कविताओं के लिए शिक्षक के रूप में नियुक्त किया, व्यंग्य करने वालों पर गालिब शायरी लिख दिया करते थे।

मुगलों के पतन के दौरान उन्होंने मुगलों के साथ बहुत वक्त बिताया। मुगल साम्राज्य के पतन के बाद ब्रिटिश सरकार ने गालिब पर ध्यान नहीं दिया और उन्हें दी जाने वाली पेंशन भी बंद करवा दी। वह अपनी हर रचना मिर्ज़ा,असद या ग़ालिब के नाम से लिखते थे,इसलिए वह इस नाम से प्रसिद्ध हो गये।

मिर्जा गालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक था। वस्त्र विन्यास पर विशेष ध्यान रखते थे। खाने-खिलाने के शौकीन, स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रेमी थे। मिर्जा गालिब जीवन के संघर्ष से भागते नहीं थे,वह इस संघर्ष को जीवन का एक अंश तथा आवश्यक भाग समझते थे। मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यंत निपुण थे और यह वर्णनशैली ऐसे नए ढंग की है कि, इसे पढकर पाठक मुग्ध हो जाता हैं। उनके स्वभाव में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी

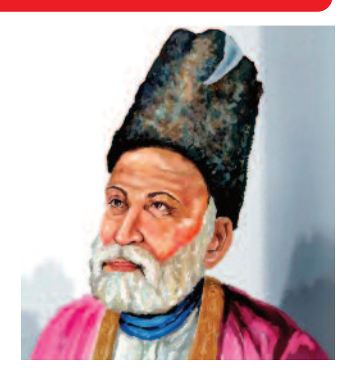

थी, ये सब विशेषता उनकी शेरोशायरी में भी झलकती हैं। वे मदिरा प्रेमी भी थे, इसलिए मदिरा के संबंध में उन्होंने भाव प्रकट किये है, उनके शेर ऐसे चुटीले तथा विनोदपूर्ण है कि उनका जोड़ उर्दू कविता में अन्यत्र नहीं मिलता। वह अत्यंत शिष्ट एवं मित्रपरायण थे। उनके मित्रों का दायरा बहुत बड़ा था,जिसमे सभी धर्म व प्रांत के लोग थे और वे सर्व धर्म प्रिय व्यक्ति थे। उदार व्यक्तित्व के धनी व उसी उदार दृष्टि के बावजूद आत्माभिमानी थे।

मिर्जा गालिब ने कविता अर्थात गजल,शेरो शायरी में ही नहीं,गद्य लेखन में भी नया मार्ग प्रशस्त किया हैं। अपनी रचनाओं में सरल शब्दों का प्रयोग किया हैं। उर्दू गद्य-लेखन की नींव रखने के कारण इन्हे वर्तमान उर्दू गद्य का जन्मदाता भी कहा जाता हैं। इनकी अन्य रचनाएँ लतायफे गैबी, दुरपशे काव्यानी,नाम-ए-ग़ालिब,मेहनीम इत्यादि गद्य मे हैं। फारसी के कुल्लियात मे फारसी कविताओं का संग्रह है। दस्तंब मे इन्होने 1857 ई. के बलवे का आंखों देखा विवरण फारसी गद्य मे लिखा है, इसके अलावा उर्दू-ए-हिंदी, उर्दू-ए-मुअल्ला भी हैं। इनकी रचनाओं में देश की तत्कालीन,राजनीतिक,आर्थिक स्थिति का वर्णन हुआ हैं। उनकी खूबसूरत शायरी का संग्रह दीवान-ए-गालिब का अनेक स्वदेशी व विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका हैं।

ग़ालिब की शायरी ने उर्दू अदब को नए पंख और नया आसमान दिया हैं। मिर्ज़ा ग़ालिब हमेशा उर्दू के सबसे बड़े शायरों में रहेंगे। उर्दू और फारसी के बेहतरीन शायर के रूप में उनकी ख्याती दूर-दूर तक फैली तथा अरब एवं अन्य राष्ट्रों में भी वे अत्यंत लोकप्रिय हुए। ग़ालिब की शायरी का बड़ा हिस्सा फारसी में है, कम उर्दू में है लेकिन जितना लिखा है,वो ही आने वाले कई जमाने तक लोगों को सोचने पर मजबूर करने के लिए काफी हैं। ग़ालिब की शायरी की सबसे खूबसूरत बात ये है कि वो किसी एक रंग या किसी एक एहसास से बंधे नहीं,जीवन के हर पड़ाव की स्थिति पर उनका शेर हैं। गालिब शायद उर्दू के इकलौते ऐसे शायर है,जिनका कोई न कोई शेर जिंदगी के किसी न किसी मौके पर आधारित हैं। ग़ालिब की शायरी में एक तड़प,एक तंज,एक चाहत,एक आशिकाना अंदाज देखने को मिलता है जो सहज ही पाठकों के दिल को छू लेता हैं। कुछ ऐसे ही उनकी मशहूर रचनाओं के चंद शेर प्रस्तुत हैं।

मिर्जा गालिब के जीवन पर फिल्म,धारावाहिक व नाटकों का मंचन होता रहा हैं। हालांकि गजल की दुनिया में ग़ालिब बहुत मशहूर हुए और उनकी राह पर देश-दुनिया के गायक भी चल पड़े जैसे जगजीत सिंह, मेहंदी हसन,आबिदा परवीन,फरीदा खानुम,टीना सानी, बेगम अख्तर, गुलाम अली,राहत फतेह अली खान कुछ ऐसे ही गायक हैं। भारत व पाकिस्तान सरकार की ओर से मिर्जा गालिब पर सिक्के, डाक टिकट जारी किये गये। मिर्जा गालिब ने जो विश्व को धरोहर दी है,वो अतुलनीय हैं। अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय,राज्य स्तर पर बेहतरीन रचनाओं के लिए मिर्जा गालिब के नाम से बहुत से पुरस्कार व सम्मान दिए जाते हैं। दिल्ली में ग़ालिब संग्रहालय बनाया गया हैं। गालिब अकादमी,गालिब इंस्टीट्यूट, गालिब की हवेली देश में मशहूर हैं। उनकी याद में दुनिया भर में मुशायरे आयोजित किए जाते हैं। मिर्जा गालिब हमेशा अपनी रचनाओं से पाठकों के दिलो मे राज करते रहेंगे,चाहे कितनी भी सदियां गुजर जाए और वे नए रचनाकारों को कल भी प्रेरणा देते थे आज भी प्रेरणा देते है और हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे।

गुरु गोविन्द सिंहः हिन्दू धर्म और संस्कृति के रक्षक

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

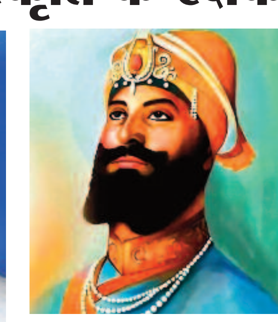

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में गुरु गोविंद सिंह जी का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी है। वे केवल सिख धर्म के दसवें गुरु ही नहीं थे, बल्कि एक महान योद्धा, दार्शनिक, समाज-सुधारक,हिन्दूधर्म-संस्कृति के रक्षक और राष्ट्र-चेतना के जाग्रत प्रतीक थे। उनकी महान् तपस्वी,महान कवि, महान् योद्धा, महान् संत सिपाही साहिब आदि स्वरूपों में पहचान होती है। गुरु गोविंद सिंह की जयंती केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं,बल्कि मानवता को साहस,न्याय, आत्मसम्मान और धर्मरक्षा का संदेश देने वाला पर्व है। उनकी जीवन-यात्रा अन्याय के प्रतिकार, सत्य की स्थापना और मानव गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही। वे संपूर्ण भारतीय समाज के आस्था के केंद्र हैं, उनके जीवन से हमें राष्ट्रप्रेम और मानवतावादी धर्म की प्रेरणा मिलती है।

गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब (वर्तमान बिहार) में हुआ। उनके पिता गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। पिता के इस अद्वितीय त्याग ने गुरु गोविंद सिंह जी के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। बहुत कम आयु में ही उन्होंने यह समझ लिया कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष,तपस्या और सेवा का अद्भुत संगम रहा। उन्होंने धर्म को कर्म से जोड़ा और आध्यात्मिकता को सामाजिक उत्तरदायित्व का रूप दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि सच्चा धर्म वह है जो निर्बलों की रक्षा करे,अत्याचार का विरोध करे और मानव को आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाए। वे कहते थे कि भय से मुक्त होकर सत्य के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।

1699 में बैसाखी के पावन अवसर पर गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर इतिहास की दिशा ही बदल दी। खालसा का अर्थ है-शुद्ध, निर्भीक और समर्पित जीवन। उन्होंने पाँच प्यारे बनाकर समानता, भाईचारे और त्याग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। खालसा की दीक्षा के माध्यम से उन्होंने जाति, वर्ग और ऊँच-नीच के भेद को समाप्त कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ के अनुयायियों को पंच ककार केश,कला,कंघा,कृपाण, कच्छा धारण करने का निर्देश दिया। ये शौर्य, शुचिता तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के संकल्प के प्रतीक हैं। गुरु ने सिखाया कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और सबका सम्मान समान है। गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाओं का केंद्रबिंदु साहस और करुणा का संतुलन है। वे एक ओर शस्त्र धारण करने की प्रेरणा देते हैं, तो दूसरी ओर दया,प्रेम और सेवा को जीवन का आधार बताते हैं। उनका प्रसिद्ध कथन-जब सब उपाय विफल हो जाएँ,तब धर्म के लिए तलवार उठाना न्यायोचित है-यह स्पष्ट करता है कि हिंसा उनका उद्देश्य नहीं थी, बल्कि अत्याचार के विरुद्ध अंतिम विकल्प थी।

गुरु गोविंद सिंह भारतीय जीवन मूल्यों की रक्षा और समाज को नए सिरे से संगठित एवं सशक्त करने वाले एक महापुरुष हैं, उनका व्यक्तित्व अलौकिक, साहसी एवं भारतीयता से ओतप्रोत था। उन्होंने आनंदपुर का सुख,माता पिता की छांव और बच्चों का मोह छोड़कर धर्म रक्षा का मार्ग चुना। उन्होंने दमन, अन्याय, अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गुरु तेग बहादुर के बलिदान के बाद 11 नवंबर 1675 को नौ साल की उम्र में गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें गुरु बने। दुनिया में देश व धर्म की रक्षार्थ अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुष तो अनेक मिलेंगे किन्तु अपनी तीन पीढ़ियों, बल्कि यों कहें कि अपने पूरे वंश को इस पुनीत कार्य हेतु बलिदान करने वाले विश्व में शायद एकमेव महापुरुष गुरु गोविन्द सिंहजी ही है।

अल्पसंख्यक की परिभाषा तय की जाए,मानदंड होना जरूरी

भीम सिंह

अल्पसंख्यक संरक्षण के साथ यह भी जरूरी है कि सरकारी संसाधनों का उपयोग वास्तविक अल्पसंख्यक समुदाय के लिए हो। संतुलित दृष्टिकोण ही राजकोषीय अनुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ कर सकता है। अल्पसंख्यक समुदाय का निर्धारण जिला न सही, कम से कम राज्य स्तर पर किया जाना चाहिए और यदि राष्ट्रीय स्तर पर ही करना हो तो जिस समुदाय की आबादी दो या इससे कम प्रतिशत में हो, उसे ही अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा दिया जाए।

अब जब जनगणना शुरू होने जा रही है, तब इस पर भी विचार होना चाहिए कि भारत में वास्तविक अल्पसंख्यक कौन है? क्योंकि सांप्रदायिकता और तुष्टीकरण का दुखद नतीजा मातृभूमि के बंटवारे में देखा जा चुका है। संविधान के अनुच्छेद 30 में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग अवश्य है, पर उसमें अल्पसंख्यक की परिभाषा नहीं दी गई है। अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा देने का अधिकार अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत केंद्र सरकार को है। अभी छह समुदायों-मुस्लिम,ईसाई, सिख, बौद्ध,जैन तथा पारसी को अल्पसंख्यक का दर्जा मिला है। इनमें यहूदी नहीं हैं। इस प्रकार अल्पसंख्यक का दर्जा देने का मानदंड क्या है,यह भी अस्पष्ट है।

अल्पसंख्यक समुदायों को कई प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। इनमें धार्मिक,शैक्षणिक, सांस्कृतिक के साथ-साथ आर्थिक सुविधाएं भी शामिल हैं। अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों में न तो शिक्षा का अधिकार कानून लागू है और न ही आरक्षण के नियम। कई ऐसे राज्य भी हैं, जहां कुछ समुदाय राज्य स्तर पर बहुसंख्यक होने के बावजूद अल्पसंख्यक योजनाओं का लाभ लेते हैं। यदि लाभ वास्तविक वंचित

वर्गों तक न पहुंचकर सामाजिक या क्षेत्रीय रूप से मजबूत समुदायों तक पहुंचते हैं,तो इससे अन्य जरूरतमंद वर्गों के अवसर प्रभावित होते हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ता है और अल्पसंख्यकवाद की राजनीति को बल मिलता है।

2011 की जनगणना के अनुसार देश में विभिन्न धर्मावलंबियों की जनसंख्या इस प्रकार थी-हिंदू 79.8 प्रतिशत, मुसलमान 14.2, ईसाई 2.3, सिख 1.7, बौद्ध 0.7, जैन 0.4 तथा पारसी 0.006 प्रतिशत। लोकतंत्र में जनसंख्या के बल पर सरकार की नीतियों को प्रभावित किया जा सकता है और किया भी जाता है। अपनी संख्या के बल पर मुस्लिम एक समर्थ तथा प्रभाव शाली समुदाय है। यह सरकार को झुक जाने को मजबूर करने में सक्षम है, यह हम शाहबानो मामले में देख चुके हैं। अल्पसंख्यक का दर्जा निर्धारण वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

इसका परिणाम यह है कि जिन राज्यों में मुस्लिम बहुमत में हैं, जैसे लक्षद्वीप (96.58) और जम्मू-कश्मीर (68.31 प्रतिशत) वहां भी उन्हें अल्पसंख्यक का लाभ दिया जाता है। इनके अलावा छह ऐसे राज्य हैं जहां मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है असम (34.22प्रतिशत),बंगाल (27.01),केरल(26.56), उत्तर प्रदेश (19.26), बिहार (16.9) और झारखंड (14.53 प्रतिशत)। क्या बड़ी आबादी वाले राज्यों में भी मुस्लिमों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए? अगर जिलों की बात करें तो बिहार में ऐसे 11 जिले हैं, जहां मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। किशनगंज में 67.98, कटिहार में 44.47, अररिया में 42.95 और पूर्णिया में 38.46 प्रतिशत है। यूपी में 15 ऐसे जिले हैं, जहां मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। मुरादाबाद और रामपुर में उनकी आबादी क्रमशः 50.80 तथा 50.57 प्रतिशत है। बिजनौर, सहारनपुर,मुजफ्फरनगर,अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर), बलरामपुर, बरेली, मेरठ तथा बहराइच जैसे जिलों में उनकी आबादी 30 प्रतिशत से ज्यादा है। अगर बंगाल की बात करें तो यहां 13 ऐसे जिले हैं, जहां मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। मुर्शिदाबाद तथा मालदा में वे बहुमत में हैं। यहां उनकी आबादी क्रमशः 66.27 तथा 51.27 प्रतिशत है। बिहार,उत्तर प्रदेश तथा बंगाल जैसी स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है। झारखंड के छह जिलों में उनकी आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। असम में वे 11 जिलों में बहुमत में हैं। क्या सघन आबादी वाले जिलों में भी मुसलमानों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए?

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

41 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगमा से संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता टीम ने 42 नग नशीले इंजेक्शन के साथा आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नशीले इंजेक्शन को ऑटो में रखकर ग्राहक की तलाशी कर रहा था। उडऩ्दस्ता टीम ने नशीले इंजेक्शन व ऑटो को जब्त कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता टीम को डिगमा में गश्त कर रही थी। इस दौरान संदिग्ध ऑटो को देखकर संभागीय टीम उसे रोकने की कोशिश की। लेकिन चालक तेज रफ्तार में भागने लगा और डिगमा स्टेडियम में घुस गया। टीम ने उसे पीछा कर हिरासत में लेकर ऑटो की तलाशी ली। ऑटो के बीच वाली सीट पर बोरी में 21 नग रेक्सोजेसिक व 21 नग एविल इंजेक्शन पाया गया। जिसे टीम ने ऑटो सहित नशीले इंजेक्शन के साथ जब्त किया है। टीम ने आरोपी राजभान सिंह के खिलाफ एनडीपीएस 22 सी के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

छग गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव को मातृत्व शोक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भाजपा वरिष्ठ नेता और छग गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की माता स्वर्णलता सिंहदेव का निधन हो गया। वे 75 वर्ष की थी और लम्बे समय से बीमार चल रही थी। स्व. स्वर्णलता सिंहदेव का उपचार रायपुर के एम्स हॉस्पिटल में चल रहा था इस दौरान 26 दिसम्बर को उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनका जन्म 2 दिसंबर 1950 को राज परिवार में हुआ था। वे गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव व अमिताभ सिंहदेव की माता एवं शंकरगढ़ राजपरिवार के स्व. लाल अरुण प्रताप सिंहदेव की धर्मपत्नी थी। स्व. स्वर्णलता सिंहदेव चंद्रपुर राजपरिवार के स्व. राजा पूर्व विधायक शशि भूषण सिंहदेव व स्व. रानी पूर्व विधायक ज्योत्सना सिंहदेव की पुत्री थी। उनके निधन से सरगुजा भाजपा के साथ ही बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। शुक्रवार की देर शाम रायपुर से उनका पार्थिव शरीर सरगुजा लाया गया। वहीं 27 जनवरी को स्थानीय शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान एमजी रोड पंजाब गार्डन के सामने से निकाली जाएगी। इधर श्रीमती स्वर्णलता सिंहदेव के निधन उपरान्त प्रदेशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उनके निधन उपरान्त प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, डिप्टी सीएम अरुण साव सहित अन्य नेताओं ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

तेज रफ्तार बाइक रिंग रोड पर खड़े ट्रक से टकराई,दो युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
रिंग रोड स्थित नमनाकला में गुरुवार की रात एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ,जिसमें दो युवकों की जान चली गई। घटना में बाइक की तेज रफ्तार के कारण दोनों युवक खड़े ट्रक से टकरा गए। हादसे में दोनों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई,जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के महुआपारा निवासी 25 वर्षीय बृजेश कुमार लकड़ा और शांतिपारा के मेल प्रकाश तिर्की, जो 26 वर्ष के थे,क्रिसमस मनाने के लिए बाइक पर निकले थे। दोनों युवक शराब के नशे में थे और रात करीब 9 बजे प्रतीक्षा बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। इस दौरान रिंग रोड स्थित गुडलक मोटर्स के पास खड़ा एक ट्रक उनकी बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दूसरे ने अस्पताल जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस अब दुर्घटनाग्रस्त वाहन की तलाश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,दोनों युवक नशे में थे और उनकी बाइक की रफ्तार भी बहुत तेज थी, जिस कारण वह ट्रक से टकरा गए।

रिंग रोड पर खड़े भारी वाहनों की समस्या भी इस हादसे का कारण बन सकती है। अक्सर, रिंग रोड के किनारे गैराज चलते हैं, जहां वाहन खड़े करके मरम्मत का काम होता है। इस कारण रात्रि के समय रास्ता अंधेरा होता है और वाहन चालक इन खड़े हुए ट्रकों से टकरा जाते हैं। पुलिस द्वारा इस पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। हादसे के बाद दोनों युवकों के परिवारों में गहरा शोक व्याप्त है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा था,और शुक्रवार को शव परिजनों को सौंप दिए गए। दोनों का अंतिम संस्कार दोपहर में किया गया। इस दर्दनाक हादसे ने न केवल परिवारों को झकझोर दिया, बल्कि रिंग रोड पर खड़े वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की गंभीरता को भी उजागर किया है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का तीन दिवसीय आंदोलन, 29 से

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सरगुजा द्वारा प्रांत व्यापी आह्वान पर 29, 30, और 31 दिसंबर को तीन दिवसीय निश्चित कालीन आंदोलन का आयोजन किया जाएगा। यह हड़ताल छत्तीसगढ़ के सभी विभागों, स्कूलों, कॉलेजों, कलेक्ट, जिला पंचायत, राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, वेटरिनरी और फॉरेस्ट विभागों में कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा की जाएगी। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य केंद्र के समान महंगाई भत्ता और चार स्तरीय वेतनमान की मांग है, साथ ही 11 सूत्री अन्य मांगों को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन आंदोलन पर उतरने जा रहा है। इस आंदोलन में भाग लेने वाले कर्मचारी अधिकारियों को आंदोलन के बारे में जानकारी देने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है और अवकाश में जाने के प्रपत्र का वितरण किया जा रहा है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगों के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाएगी, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन की ओर बढ़ सकते हैं। इस आंदोलन के कारण सरकारी कामकाजी में ठहराव आने और सरकार को बड़े वित्तीय नुकसान का अनुमान है। इस आंदोलन में कौशलेंद्र पांडेय, कमलेश सोनी, सीएम मिश्रा, डॉ. सीके मिश्रा, नवीन केशरी, अजीत, सवूद अंसारी, संजय यादव, श्रीकांत चौबे, पवन अग्रवाल, अमित वर्मा, अनिल तिवारी सहित कई अन्य सक्रिय रूप से शामिल हैं।

डॉ. टेकाम के बेटे की बैंगलौर में सडक़ हादसे में मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. केआर टेकाम के बेटे की मौत बैंगलौर में सडक़ हादसे में हो गई। वह बैंगलोर में अपनी बहन के साथ रहकर बीकॉम की पढ़ाई करता था। शुक्रवार को शव अंबिकापुर लाया गया और अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार शहर के नावापारा निवासी डॉ.केआर टेकाम का इकलौता पुत्र अंकित टेकाम बैंगलौर में रहकर बीकॉम का पढ़ाई करता था। तीन दिन पूर्व वह बैंगलौर में ही अपने दोस्त के साथ कहीं जा रहा था और सडक़ हादसे का शिकार हो गया। अंकित को गंभीर चोटें आई थी। उसे इलाज के लिए बैंगलौर के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत से डॉक्टर टेकाम का पूरा परिवार सदमे में है। शुक्रवार को उसका शव अंबिकापुर लाया गया और अंतिम संस्कार की गई। अंतिम संस्कार में शहर के काफी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मचारी शामिल हुए।

पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में कार्यकर्ताओं को मिला स्पष्ट संदेश..सही मतदाता का नाम बचे,फर्जी नाम हटें

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा शुक्रवार को अंबिकापुर विधानसभा स्तरीय एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) 2025 कार्यशाला का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम के सभाकक्ष में किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में कार्यशाला के मुख्य अतिथि वक्ता संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, अतिथि वक्ता के रूप में सरगुजा संभाग संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल एवं प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी उपस्थित रहे। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि एसआईआर के दूसरे चरण में पूरी निष्ठा और ताकत से कार्य करें, ताकि किसी भी सही मतदाता का नाम न कटे और जो लोग गलत तरीके से मतदाता सूची में शामिल हो गए हैं,उनकी पहचान कर सूची को शुद्ध किया जा सके। सरगुजा संभाग संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल ने कहा कि एसआईआर को अत्यंत गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ योजनाबद्ध तरीके से इस कार्य में जुटें। उन्होंने कहा कि एसआईआर फेस-2 में सतर्कता और निरंतरता आवश्यक है, क्योंकि यह प्रक्रिया आने वाले सभी चुनावों के लिए कारगर साबित होगी।

प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने बूथवार बीएलए-2, जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, मंडल एवं जिला पदाधिकारियों से एसआईआर के अगले चरण को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एक-एक वोट का महत्व है और इसी नई मतदाता सूची पर भविष्य के सभी चुनाव निर्भर करेंगे। उन्होंने एसआईआर को लेकर कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर युद्ध स्तर पर जुटने का आह्वान किया। इस दौरान भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, अम्बिकेश केशरी, बीएलए निलेश सिंह, जनमेजय मिश्रा ने भी संबोधित किया।

शारीरिक शिक्षा को छत्तीसगढ़ स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय बनाने की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ द्वारा 24 दिसंबर को संचालक,संचालनालय इंद्रावती भवन में प्रतिनिधि आशुतोष चावरे और स्पोर्ट्स सेक्शन के अधिकारियों से मुलाकात की। इस बैठक में 14 प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई और सहमति बनी,जो शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। बैठक में जिन प्रमुख प्रस्तावों पर सहमति बनी, उनमें शारीरिक शिक्षा को छत्तीसगढ़ स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय बनाने, व्यायाम शिक्षकों के पदोन्नति की प्रक्रिया में सुधार, और राज्य के सभी जिलों में खेल गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए नए पदों का सृजन शामिल था। इसके अलावा,खेलों से जुड़े यात्रा और भोजन भत्तों में वृद्धि करने का प्रस्ताव भी शासन को भेजने की योजना बनाई गई है। संगठन के अध्यक्ष रितेश सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने संचालक ऋतु राज रघुवंशी का धन्यवाद किया, जिन्होंने पहली बार संघ को अपनी समस्याएं रखने का अवसर दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि शारीरिक शिक्षा से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से लिया जाएगा और त्वरित समाधान के लिए कार्रवाई की जाएगी।

इस बैठक में लिए गए निर्णय शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जिससे राज्यभर के व्यायाम शिक्षकों और खिलाडिय़ों को लाभ होगा। संचालक ऋतु राज रघुवंशी द्वारा शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ को पहली बार अपनी समस्याएं रखने का अवसर प्रदान किया गया,जिसके लिए संघ के सभी पदाधिकारी संचालक और उनकी टीम का धन्यवाद करते हैं। संघ के अध्यक्ष रितेश सिंह, सचिव मृत्युंजय शर्मा और अन्य पदाधिकारियों ने यह भी आभार व्यक्त किया कि संचालक और सहायक संचालक ने व्यायाम शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाए।

बेलगाम गुड़ उद्योगों की अब खैर नहीं! कलेक्टर के आदेश से हिला पूरा तंत्र

गुड़ उद्योगों पर प्रशासन का शिकंजा: कलेक्टर ने 31 दिसंबर तक मांगी तय प्रारूप में जानकारी

-संवाददाता-
प्रतापपुर,26 दिसम्बर 2025।
जिले में तेजी से पनप रहे गुड़ उद्योगों को लेकर अब प्रशासन सख्त रुख अपनाता नजर आ रहा है। विगत दिनों प्रकाशित खबरों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर सूरजपुर ने जिले के समस्त गुड़ उद्योग संचालकों से शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में 31 दिसंबर तक विस्तृत जानकारी तलब की है। इस कार्रवाई के बाद यह साफ होने की उम्मीद है कि जिले में संचालित गुड़ उद्योग वास्तव में नियम-कायदों के दायरे में हैं या फिर राजनीतिक संरक्षण के सहारे मनमानी का खेल खेला जा रहा है। बिना शासन के तय मापदंडों को पूरा किए उद्योगों का संचालन अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े करता है। खासकर प्रदूषण नियंत्रण, लाइसेंस, मंडी नियम और किसानों से गन्ना खरीदी की प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आती रही हैं। अब कलेक्टर की इस पहल से पूरे सिस्टम की परतें खुलने की संभावना जताई जा रही है।

शक्कर कारखाना खुलने से पहले किसानों का होता था शोषण : क्षेत्र में शक्कर कारखाना खुलने से पहले भी किसान गन्ने की खेती करते थे,लेकिन उस दौर में गुड़ उद्योगों द्वारा किसानों से शासन के निर्धारित रेट से बेहद कम दामों पर गन्ना खरीदा जाता था। किसानों की इस मजबूरी को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से शक्कर कारखाने की स्थापना हुई। इसके बाद गन्ना किसानों की स्थिति में बड़ा बदलाव आया और उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य मिलने लगा। यही कारण है कि आज क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि का आधार गन्ना फसल बनी हुई है।

शक्कर कारखाने की मजबूती से ही विकास संभव

अर्थशास्त्र की दृष्टि से शक्कर कारखाना आज गन्ना फसल का सबसे बड़ा और स्थायी बाजार है। इसी बाजार के कारण बाहरी व्यापारी और स्थानीय गुड़ उद्योग संचालक भी मजबूरी में किसानों को उचित दाम देने को बाध्य हैं। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है तो सबसे बड़ा नुकसान किसानों को ही उठाना पड़ेगा।

31 दिसंबर के बाद क्या?

अब सबसे अहम सवाल यह है कि 31 दिसंबर के बाद प्रशासन क्या कदम उठाता है। क्या शासन के तय मापदंडों का सख्ती से पालन कराया जाएगा या फिर जनता को दोबारा प्रदूषणयुक्त और जहरीले वातावरण में जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यह आने वाला समय ही बताएगा।

बिना मंडी शुल्क दूसरे राज्यों में गन्ना सप्लाई : जिले में गन्ना दलालों का मनोबल इस कदर बढ़ चुका है कि खुलेआम किसानों के खेत से अच्छी गुणवत्ता का गन्ना बिना मंडी शुल्क चुकाए अन्य राज्यों, खासकर कलकत्ता, भेजा जा रहा है। इससे शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है। दूसरी ओर खेत में छोड़ा गया घटिया गन्ना किसान मजबूरी में कारखाने को भेजते हैं, जिससे रिकवरी कम होती है और किसानों को अप्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। तीन वर्ष पूर्व जब प्रशासन ने सख्ती दिखाई थी, तब किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रोत्साहन राशि के साथ रिकवरी कमीशन तक मिला था।

कलेक्टर ने किया शक्कर कारखाने का औचक निरीक्षण : कलेक्टर सूरजपुर, जो वर्तमान में शक्कर कारखाने के प्रशासक भी हैं, ने हाल ही में कारखाने में गन्ना खरीदी व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गन्ना यार्ड में किसानों से संवाद किया, अलाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और गन्ना वाहन एंट्री रजिस्टर का अवलोकन किया। कलेक्टर ने सीजन भर इसी तरह की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश प्रबंधन को दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रतापपुर ललिता भगत,तहसीलदार चंद्रशीला जायसवाल,प्रबंध संचालक आकाशदीप पात्रे, सीसीडीओ प्रमोद चौहान,चीफ केमिस्ट मनोज पाड़ी, मुख्य अभियंता सुनील तिवारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।अब निगाहें 31 दिसंबर के बाद प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं, जो तय करेगी कि जिले में गुड़ उद्योग नियमों के तहत चलेंगे या नहीं।

रक्षित केंद्र बलरामपुर में किया गया जनरल परेड का आयोजन टर्न आउट भेश-भूषा चेक कर उत्तम पाय जाने वालो को किया पुरस्कृत

-संवाददाता-
बलरामपुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
घटती घटना/बलरामपुर/ जिला मुख्यालय रक्षित केंद्र ग्राउंड में जनरल परेड में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर (भा.पु.से.) द्वारा अधिकारी कर्मचारियों के अनुशासन, फ़िटनेस एवं टर्न आउट की गई विस्तृत समीक्षा, अच्छे अनुशासन एवं फ़िटनेस हेतु दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश एवं परेड में अच्छा टर्न आउट पाए जाने पर कर्मचारियों को उत्साहवर्धन हेतु दिया गया उचित इनाम। जानकारी के अनुसार दिनांक 26/12/2025 को रक्षित केंद्र बलरामपुर में जनरल परेड का आयोजन किया गया। जनरल परेड में रक्षित निरीक्षक 01, निरीक्षक 01, उप निरीक्षक 03, सहायक उप निरीक्षक 03, प्रधान आरक्षक 09, आरक्षक 35, कुल 52 अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए। जनरल परेड में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर (भा.पु.से.) के द्वारा पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के अनुशासन, फ़िटनेस एवं टर्न आउट का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा जनरल परेड में सम्मिलित अधिकारी कर्मचारियों को बेहतर अनुशासन एवं टर्न आउट हेतु उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में सम्मिलित पुलिस श्री वैभव बैंकर के द्वारा अधिकारी कर्मचारी का टर्न आउट वेशभूषा आदि चेक किया गया वेशभूषा उत्तम दर्जे का पाए जाने पर कुल 05 महिला/पुरुष कर्मचारियों को उत्साहवर्धन हेतु प्रशंसा इनाम से पुरस्कृत भी किया गया है।

अपहरण कर्ता आरोपी आया पुलिस की गिरफ्त में शादी का झांसा देकर करता रहा दैहिक शोषण

-संवाददाता-
रामचंदरपुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के रामचंदरपुर थाना क्षेत्र में अपहरण के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार अपराध क्रमांक 27/2025 धारा 137(2) 87,64 (m) BNS पोक्सो एक्ट की धारा 4,6के तहत कार्यवाही कर न्यायिक हिरासत में भेजा। जानकारी के अनुसार दिनांक 25.08.25 को प्रार्थी ने थाना में उपस्थित होकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक लड़की घर से बिना बताये कही चली गई हैं, आस पास पता किए जाने पर कही पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना रामचंद्रपुर में 137(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान पता तलाश करते हुए दिनांक 24.12.25 क़ो मुखबिर कि सूचना पर झारखण्ड के थाना डंडाई क्षेत्र के रारो गांव से अपहरिता को आरोपी अनिल कुमार पिता मुनेश्वर सिँह उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम रारों थाना डंडाई जिला गढ़वा झारखण्ड के कब्जे से दस्तयाब कर बरामद किया गया। अपहरिता अपने कथन में बताई कि आरोपी अनिल के द्वारा उसको बहला फुसला कर शादी का झांसा देकर भगा ले गया था जो पीड़िता के साथ गलत काम दुष्कर्म किया है। आरोपी अनिल के विरुद्ध अपराध करने का पर्याप्त सबूत पाए जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समछ पेश किया गया है।

कलेक्टर कि दो टूक...विभागीय भर्ती प्रक्रिया में रहे पारदर्शिता,वर्ना लापरवाही पर होगी कार्रवाई

एनआरसी में शत-प्रतिशत उपस्थिति पूर्ण करने दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री जे आर प्रधान,सभी सीडीपीओ सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा प्रभावी क्रियान्वयन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का शत प्रतिशत हितग्राहियों को लाभ मिलना सुनिश्चित करें। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए तथा कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित समय पर संचालित हो। उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर एप में बच्चों की एंट्री सुनिश्चित करें, गंभीर कुपोषण वाले बच्चों का चिन्हांकन करके उनके पौष्टिक आहार पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने जिले में 0 से 6 वर्ष के बच्चों के आधार कार्ड निर्माण की जानकारी ली तथा कहा कि जिन बच्चों का आधार कार्ड जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में नहीं बन पाया है उनकी सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करें।

एनआरसी में शत-प्रतिशत उपस्थिति पूर्ण करने दिए निर्देश : कलेक्टर श्री वसंत ने गंभीर कुपोषित बच्चों की त्वरित पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में सतत रूप से भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कुपोषण की पहचान मुख्यतः आंगनबाड़ी केंद्रों में की जाती है, इसलिए गम्भीरता से जांच सुनिश्चित करें। पालकों को कुपोषित बच्चों को शासन की इस सुविधा का लाभ लेकर कुपोषण मुक्त करने प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें।

विभागीय भर्ती प्रक्रिया में रहे पारदर्शिता,लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि विभाग अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रहे। नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में पूर्ण हो,किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सम्बन्धितों पर कार्रवाई होगी।

आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की ली गई जानकारी

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति की जानकारी ली तथा कहा कि जिन केंद्रों हेतु भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, वहां तत्काल आंगनबाड़ी शिफ्ट कर संचालित करें। वहीं उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण नहीं हुए हैं, उनकी सूची तैयार करें। पहले चरण में 200 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन कर विद्युतीकरण करने की कार्यवाही की जाएगी, इस हेतु प्राक्कलन तैयार कर उपलब्ध कराएं।

शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे

उन्होंने सभी सीडीपीओ को सुपरवाइजर के साथ बैठक कर मातृ वंदना योजना में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने निर्देशित किया तथा 15 दिवस के भीतर निर्धारित लक्ष्य पर प्रगति सुनिश्चित करने कहा। महतारी वंदन योजना अंतर्गत हितग्राहियों का शत प्रतिशत ई केवायसी पूर्ण करवाने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र महिला और बच्चे तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसलिए गम्भीरतापूर्वक, संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बैठक में एजेण्डा अनुसार विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों को विकसित भारत जी राम जी के प्रावधानों के सम्बन्ध में दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिले में आयोजित सुशासन सप्ताह एवं 24 दिसम्बर 2025 को आयोजित विशेष ग्राम सभा में आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (वीबी-जी राम जी) की विशेषताओं से लोगों को अवगत कराया गया। इस दौरान बताया गया कि महात्मा गांधी नरेगा का नया स्वरूप विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (वीबी-जी राम जी) को अगले सत्र में शुरू किया जाएगा। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप इसका उद्देश्य समृद्ध एवं सुदृढ़ ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण एवं विकास अभिसरण और संतृप्ति को बढ़ावा देना है। विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 में अब अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक परिवार को 125 दिन का रोजगार मिलेगा। योजना में बेरोजगारी भत्ते का अधिकार दिया गया है जिससे कार्य की मांग करने पर कार्य न मिले तो बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाएगा। 07 दिवस में मजदूरी भुगतान का प्रावधान किया गया है, विलंब की दशा में मजदूरी भत्ता 0.05 प्रतिशत प्रति दिवस यदि समय में भुगतान नहीं किया गया। कार्य की मांग एवं उपलब्धता के आधार पर 15 दिवस में कार्य उपलब्ध कराए जाएंगे। इस योजना अंतर्गत कार्यों को 04 प्रमुख श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें जल सुरक्षा और जल संरक्षण कार्य, ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े कार्य,आजीविका संवर्धन के कार्य,जलवायु परिवर्तन व प्रतिकूल मौसम से निपटने वाले कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। वीबी-जी राम जी अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित पंचायत की रूप रेखा के आधार पर कार्य योजनाओं को तैयार किया जाएगा। जिसमें पीएम गति-शक्ति सहित राष्ट्रीय स्थानिक योजना प्रणालियों के साथ एकीकृत किया जाएगा। पंचायतों की भौगोलिक स्थिति,नगरीकरण की दिशा में प्रगति आदि पर आधारित उनकी विविध विकासात्मक आवश्यकताओं को योजना निर्माण के समय ध्यान में रखा जाएगा। खेती के व्यस्तम समय में कृषि कार्य हेतु श्रमिकों की उपलब्धता हेतु 60 दिनों का कृषि अवकाश निर्धारित किया गया है। योजनान्तर्गत पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी जिसमें वे प्राथमिक कार्यान्वियन भूमिका का निर्वहन करते हुए श्रमिकों का पंजीकरन, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी करने तथा कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर कम से कम 50 प्रतिशत कार्यो का निष्पादन करेगें। ग्राम सभा नियमित सामाजिक अंकेक्षण भी करेगी। योजना पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण,स्थानिक प्रौद्योगिकी आधारित (स्पैटियल टेक्नालॉजी) आयोजन, मोबाइल एवं डैशबोर्ड आधारित निगरानी तथा साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण प्रणालियों के माध्यम से प्रावधान किए जाएंगे। सामाजिक अंकेक्षण तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। योजनान्तर्गत वित्त पोषण में 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा निधि की साझेदारी की जाएगी।

सीतापुर धान खरीदी केंद्र के मैनेजर ने की आत्महत्या,देर रात घर लौटे और लगा ली फांसी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले के सीतापुर थाना अंतर्गत केरजू धान खरीदी केंद्र में पदस्थ मैनेजर दिनेश गुप्ता ने गुरुवार की रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वे खरीदी केंद्र से देर रात घर लौटे थे और फिर फांसी के फंदे पर झूल गए। घरवालों ने सुबह उनका शव कमरे में देखा तो उनके होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले

की जांच शुरू की। वित्तीय अनियमितता या मानसिक तनाव को लेकर यह कदम उठाए जाने की चर्चा है । पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल दिनेश गुप्ता केरजू धान खरीदी केंद्र में मैनेजर के पद पर पदस्थ थे। बताया जा रहा है कि वे गुरुवार की शाम खरीदी केंद्र पहुंचे और रात एक बजे तक रुके थे। करीब डेढ़ बजे वे घर पहुंचे और कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह उनका शव लटका देख परिजन ने पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

गौ वंशीय पशुओं की तस्करी के विरुद्ध सिटी कोतवाली बलरामपुर पुलिस की कार्यवाही

सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

-संवाददाता-
बलरामपुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर सिटी कोतवाली पुलिस ने जंगल के रास्ते पैदल पशु तस्करी करने वाले 02 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार दिनांक 24/12/2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की कुछ पशु तस्कर गौ वंशीय पशु भैस को जंगल से पैदल मारते पीटते झारखंड स्थित बुचड़खाना लेकर जा रहे है। प्राप्त सूचना पर थाना बलरामपुर से कार्यवाही करते हुए ग्रामीणों के सहयोग से ग्राम अलखडीहा जंगल से 09 रास भैस को पैदल झारखंड ले जाते हुए बरामद किया गया। घटना में संलिप्त आरोपीगण (1) शिवपूजन यादव पिता स्व. खेदु यादव उम्र 60 वर्ष साकिन ग्राम चंपापुर थाना बलरामपुर जिला बलरामपुर एवं (2)

लोक प्रसाद यादव उर्फ बबलू यादव पिता माखन प्रसाद यादव निवासी ग्रा जवराही थाना बलरामपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

लिनेस मल्टीपल का कांफ्रेंस भव्यता के साथ संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
ऑल इंडिया लिनेस क्लब्स मल्टीपल सरगम का कॉन्फ्रेंस एवं अवॉर्ड सेरेमनी संजोग फार्म्स अंबिकापुर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम में राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की हजारों की संख्या में लिनेस बहनों ने बढ़चढ़कर सहभागिता की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री टि.एस. सिंह देव पूर्व उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्षता मल्टीपल प्रेसिडेंट लिनेस सुमन सिंह ने की । विशिष्ट अतिथि डॉ जी.डी.सिंह पास्ट गवर्नर लायंस क्लब्स इंटरनेशनल , स्पेशल गेस्ट अंजना जैन जयपुर,मृदुला रोजिन्दार,रत्ना ओस्तवाल,अंजना सिंघल गुना, रचना गुप्ता इंदौर,माला पॉल सेक्रेटरी ,शबाना नाज़,सेक्रेटरी उषा अरोरा साधना भंडारी इंदौर उपस्थित थे।

अतिथियों द्वारा दिपप्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई और राष्ट्रीय ध्वज स्थापना माला शुक्ला,डॉक्टर नीतू सिंह, विभा मिश्रा एवं लता चौधरी,टीना खंडेलवाल के द्वारा किया गया सभा प्रारंभ की घोषणा मल्टिपल प्रेसिडेंट सुमन सिंह ने कि। राष्ट्रगान विश्व शांति हेतु मौन एवं लिनेस प्रार्थना उपरांत सभी अतिथियों का शब्द सुमनो से स्वागत मल्टीपल प्रेसिडेंट सुमन सिंह ने किया एवं मल्टीपल में संपन्न गतिविधियों की जानकारी सदन के सामने

प्रस्तुत की। आपने कहा कि लिनेस बहनों द्वारा लगभग सभी क्षेत्रों में बढ़ चढ़कर सेवा गतिविधियां संपन्न की है जिसमें कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा हैं जिसमें खासकर 146 निर्धन कन्याओं का विवाह ,गौशालाओं का संचालन, 1226 यूनिट ब्लड डोनेशन, 1148 डायलिसिस के लिए आर्थिक मदद मूकबधिर विद्यालय में पलंग एवं गद्दोका वितरण जयपुर हेंडीकेफ्ट शिविरो का आयोजन आदि प्रमुख है सुमन सिंह ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि समस्त बहनों ने बहुत जोश खरोश के साथ सेवाभावी कार्य किए हैं और सभी बधाई की पात्र हैं और यही जज्बा ओर जोश निरंतर बनाए रखने की आपने अपील की आपने लिनेस बहनों द्वारा लीडरशिप डेवलपमेन्ट के क्षेत्र में भी शानदार कार्य कर अपने अपने क्षेत्र में दमदार लीडरशिप किये जाने का भी उल्लेख किया आपने अपने उद्बोधन में सर्वश्रेष्ठ गतिविधियां संपन्न करने वाली विभिन्न क्षेत्रों की लिनेस सदस्यों को एवं पदाधिकारी को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री टी एस सिंह देव पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से लीडरशिप का निर्माण होता है और मैं भी राजनीति से पूर्व सामाजिक संस्था से जुड़ा हुआ था आपने मल्टीपल प्रेसिडेंट लिनेस सुमन सिंह के लीडर शिप की सराहना की ओर इसीतरह आगे बढ़ने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की आपने मल्टीपल की लीनेस बहनों के सेवा कार्यों की भी भूरी भूरी प्रशंसा की एवं प्रत्येक बहन एक ही क्षेत्र में कार्य कर उस क्षेत्र का विकास करे। इसकी अपील की एवं आपने कहा कि समाज के उस वर्ग की सेवा सामाजिक संस्थाओं के द्वारा की जाती है जो राजकीय पक्ष या शासन,प्रशासन द्वारा छूट जाते हैं और यह कार्य सामाजिक संस्थाएं करती है यह गौरवशाली है।

कार्यक्रम को लायन डॉ जी डी सिंह पास्ट गवर्नर समस्त अतिथियों ने भी संबोधित किया। सभी अतिथियों को शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन अनिता कपूर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अनिल सिंह,लायन डॉ यशवर्द्धन सिंह ,अनिमेष सिंह, लायन पी.के गोयल,लायन अनिल शुक्ला, लायन अनुजप्रसाद सिंह,के. के. सिंघल, त्रिलोचन सिंह बाबरा, नरेश अग्रवाल,नीरज अग्रवाल, बिजेन्द्र पाठक , डॉ मनीष गुप्ता ,मलेंद्र सिंह बाबरा, आदि गणमान्य जन उपस्थित थे रात्रिमें हर प्रदेश की लिनेस सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रस्तुत किया गया ।

व्यापार समाचार

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार...सेंसेक्स 367 अंक टूटा, निफ्टी 26042 के नीचे

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज करते हुए,30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 367.25 अंक या 0.43 प्रतिशत गिरकर 85,041.45 पर बंद हुआ। दिन भर में इसमें 470.88 अंक या 0.55 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,937.82 पर पहुंचा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.80 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 26,042.30 पर आ गया,लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुझान और विदेशी निधियों की निकासी के चलते शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे गिरकर 89.86 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की बिकवाली,रुपये की कमजोरी, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और चुनिंदा सेक्टर्स में हुई मुनाफा वसूली की वजह से घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत भी

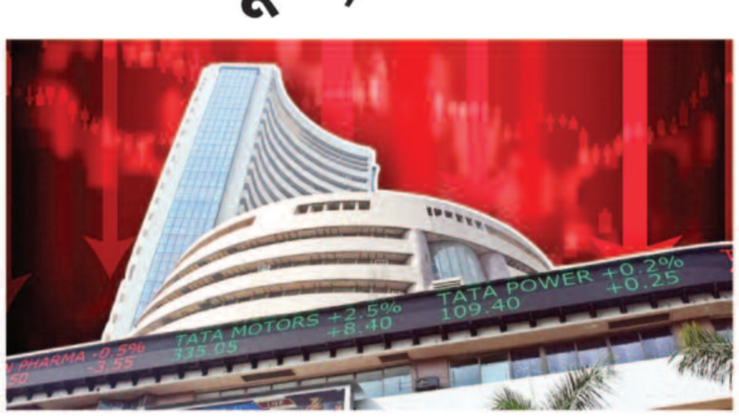

कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर भी बनाया,लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, कमोडिटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में रुक-रुक कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में शुक्रवार को जम कर बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग,कैपिटल गुड्स,कंज्यूमर ड्युरेबल्स,ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को लगातार बिकवाली होती रही,जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद घट कर 473.94 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,379 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

टाइटन समूह मुंबई में खोलेगी प्रयोगशाला में बने हीरे का पहला स्टोर

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। देश की अग्रणी आभूषण निर्माता एवं लाइफस्टाइल उत्पादन बनाने वाली कंपनी टाइटन ने प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में प्रवेश करने के साथ मुंबई में अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि वह 'बीऑन- फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड नाम से 29 दिसंबर को मुंबई में अपना एक स्टोर खोलेगी। इसका मकसद घड़ियों, साड़ियों, इत्र और हैंडबैग से आगे जीवन शैली श्रेणियों में महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। ' देश की अग्रणी आभूषण निर्माता टाइटन ने कहा कि 'बीऑन' ब्रांड प्रयोगशाला में बने हीरे के आभूषणों की एक चयनित श्रृंखला पेश करेगा। इस उभरती श्रेणी में शुरुआत करते हुए निकट भविष्य में टाटा समूह द्वारा संचालित मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर को जोड़ने की योजना है। कंपनी ने कहा कि पिछले दो से तीन वर्षों में भारत में प्रयोगशाला में बने हीरे का बाजार तेजी से बढ़ा है।

कोयला और लिग्नाइट की खदानें खोलने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में बदलाव

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार ने कोयला और लिग्नाइट खदानों को खोलने से संबंधित अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नियमों को संशोधित कर दिया है। सरकार ने कोयला खनन संचालन शुरू करना और आसान बनाने के लिए आधिकारिक तौर पर कोलियरी कंट्रोल (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि अब सरकार ने इस प्रक्रिया में दोहराव कम करने, कोयला उत्पादन बढ़ाने और अनुमोदन प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए नियम-9 को संशोधित कर दिया है। अब खदानों या उनकी परत को खोलने की मंजूरी संबंधित कोयला कंपनी के निदेशक मंडल से ही ली जा सकती है। मंत्रालय के मुताबिक इन संशोधनों से प्रक्रियात्मक दोहराव हटाकर संचालन को तेज करने की सुविधा मिलेगी, जबकि नियामकीय निगरानी जारी रहेगी। मंत्रालय ने कहा, 'हालांकि सुरक्षा के तौर पर यह प्रावधान रखा गया है कि संबंधित खदान/परत को खोलने के लिए निदेशक मंडल केवल तभी मंजूरी देगा जब केंद्रीय/राज्य सरकार और अन्य वैधानिक निकायों की आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो। 'कोयला मंत्रालय ने कहा कि इस बदलाव से खदान संचालन की समय-सीमा में करीब दो महीने तक की कटौती की उम्मीद है। नियमों में यह बदलाव संचालन संबंधी निर्णयों को कंपनी निदेशक मंडल तक स्थानांतरित करता है, जबकि नियामकीय निगरानी और वैधानिक सुरक्षा बनाए रखता है। मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन से दक्षता बढ़ाने,कोयला उत्पादन में तेजी लाने और कोयला नियामकीय ढांचे में विश्वास मजबूत होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि कोलियरी नियंत्रण नियम,2004 के नियम-9 के तहत खदान मालिकों को किसी भी खदान या उसकी परत को खोलने से पहले कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) की मंजूरी लेनी होती थी। यदि कोई खदान 180 दिन या उससे अधिक समय के लिए बंद रहती थी तो दोबारा संचालन शुरू करने के लिए भी यह मंजूरी होती थी।

जब अटल छोटे पड़ जाएँ और नेता बड़े हो जाएँ

एमसीबी से उठता भाजपा के लिए असहज राष्ट्रीय सवाल,अटल जयंती कार्यक्रम का बहिष्कार—सम्मान की राजनीति या संगठनात्मक तन?

अनुशासनःभाषणों में,व्यवहार में नहीं

भाजपा दशकों से कांग्रेस को अनुशासनहीनता का प्रमाणपत्र देती आई है...

लेकिन एमसीबी जिले में जो हुआ,वह बताता है अनुशासन अब भाजपा में आदेश नहीं,विकल्प बन चुका है... सरकार भाजपा की...

कार्यक्रम भाजपा के पितृ पुरुष का, और बहिष्कार भाजपा नेताओं का,यदि इसे अनुशासन कहा जाए, तो शब्दकोश बदलना पड़ेगा...

मेरी अंतिम पंक्ति

जिस दिन किसी पार्टी में नेता, अपने पितृ पुरुषों से बड़े हो जाएँ– उस दिन पार्टी बड़ी नहीं रहती, सिर्फ नाम भर रह जाती है।

-रवि सिंह-

एमसीबी,26 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक डीएनए जिन मूल्यों से बना है, उनमें सबसे ऊपर है अनुशासन,संगठन और अपने पितृ पुरुषों के प्रति आदर, लेकिन एमसीबी जिले से आई खबर यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या भाजपा अब अपने ही डीएनए से दूर जा रही है? 25 दिसंबर वही तारीख, जब देश भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी को स्मरण करता है, वही अटल, जिनके नाम पर पार्टी आज भी नैतिक पूंजी बटोरती है,और वही दिन,जब एमसीबी जिले में भाजपा नेता यह तय करते हैं कि पहले हमारा सम्मान...बाद में अटल।

पार्टी ने पद दिए, अब पार्टी से ऊपर पदधारी?-

नगर पालिका उपाध्यक्ष को पार्टी ने पहले अध्यक्ष बनाया, फिर उपाध्यक्ष, पार्टी संगठन ने भरोसा किया, अवसर दिए, लेकिन जब पार्टी की विचारधारा के सम्मान का समय आया, तो व्यक्तिगत सम्मान पार्टी से ऊपर रख दिया गया, यह कार्यक्रम कोई दलीय मंच नहीं था यह सरकार का कार्यक्रम था, और सरकार भाजपा की ही थी, इसके बावजूद इसे आपसी वर्चस्व और प्रशासनिक टकराव का विषय बना दिया गया।

पद पार्टी ने दिया...पर पार्टी अब गौण है...

जिन नेताओं ने बहिष्कार किया वे पार्टी की कृपा से ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,सभापति बने,लेकिन जब पार्टी की विचारधारा के सम्मान की घड़ी आई,तो वही पार्टी व्यक्तिगत अपमान के आगे छोटी पड़ गई,यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं,यह राजनीतिक अहंकार है।

प्रशासनिक चूक थी,पर क्या अटल दोषी थे?

हाँ,आमंत्रण पत्र में वर्चुअल शब्द नहीं था यह प्रशासन की चूक है, लेकिन सवाल यह है क्या इस चूक की सजा अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती को दी जानी थी? क्या विरोध मुख्यमंत्री से था या अटल जी से? यदि जवाब स्पष्ट नहीं,तो बहिष्कार का नैतिक आधार भी नहीं।

एमसीबी नहीं,भाजपा के लिए चेतावनी

जो कुछ एमसीबी में हुआ,वह स्थानीय घटना नहीं है,यह संकेत है उस खतरे का,जब पार्टी व्यक्तियों के अहंकार के आगे झुकने लगती है,यदि आज अटल जयंती पर बहिष्कार स्वीकार्य है,तो कल किस विचारधारा की बारी होगी?

क्या भाजपा के पितृ पुरुष से भी बड़े हो गए एमसीबी जिले के भाजपा नेता?

भारतीय जनता पार्टी स्वयं को विश्व की सबसे बड़ी और अनुशासित राजनीतिक पार्टी बताती रही है,लेकिन एमसीबी जिले में घटित घटनाक्रम इस दावे पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहा है। सवाल सीधा है क्या अब भाजपा नेताओं का व्यक्तिगत सम्मान, पार्टी की विचारधारा और उसके पितृ पुरुषों के सम्मान से भी ऊपर हो गया है? यह सवाल यूं ही नहीं उठ रहा। इसकी पृष्ठभूमि है भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भाजपा के पितृ पुरुष स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की 101वीं जयंती पर आयोजित वह सरकारी कार्यक्रम, जिसका एमसीबी जिले के भाजपा नेताओं ने बहिष्कार कर दिया।

अटल जयंती भी सम्मान की राजनीति की भेंट चढ़ी?

25 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में **अटल परिसर** के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम सरकारी था, मुख्य अतिथि वर्चुअल रूप से मुख्यमंत्री,साथ में विधानसभा अध्यक्ष,उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री जुड़े हुए थे,यह आयोजन केवल औपचारिक नहीं था,बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की सौगात देने वाले अटल जी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर था,इसके बावजूद एमसीबी जिले के कुछ भाजपा नेताओं ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया।

अटल जयंती नहीं...आत्मसम्मान जयंती

छत्तीसगढ़ सरकार ने 25 दिसंबर 2025 को प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसर के लोकार्पण का निर्णय लिया, कार्यक्रम सरकारी था, मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री थे (वर्चुअल),साथ में विधानसभा अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री,यह कोई साधारण आयोजन नहीं था यह छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के शिल्पकार को नमन था,लेकिन एमसीबी जिले में यह आयोजन बदल गया सम्मान न मिलने पर बहिष्कार आंदोलन में।

जब आयोजक ही कहे मुझे बुलाया नहीं गया...

सबसे रोचक तर्क आया नगर पालिका उपाध्यक्ष मनेंद्रगढ़ की ओर से हमें आमंत्रण नहीं मिला अब जरा ठहरिए, आमंत्रण पत्र में नाम है, शिलापट्टिका में नाम है, पद के कारण आयोजक मंडल का हिस्सा हैं फिर भी दावा है न बुलाए जाने का अपमान। यह वही स्थिति है जैसे शादी का दूल्हा कहे मुझे निमंत्रण नहीं मिला, इसलिए मैं बारात में नहीं गया।

क्या भाजपा में अब अटल से बड़ा कोई सम्मान है?

यह सवाल कटु है,लेकिन जरूरी है,क्या,पार्टी की विचारधारा,पितृ पुरुषों का स्मरण,मुख्यमंत्री की मौजूदगी सब कुछ व्यक्तिगत सम्मान की कसौटी पर तौला जाएगा? यदि ऐसा है, तो भाजपा अब कैडर पार्टी नहीं, काडर-एगो पार्टी बनती दिख रही है।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 9340154656, 98265-32611

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क0... /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय प्रकाश सिंह आ. रविन्द्र नाथ सिंह, निवासी मकान नंबर 2अ-60 एस. ई. सी. एल.कालोनी विश्रामपुर, तहसील विश्रामपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 127/1, 128/2 रकबा कमशः 0.180, 0.200 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 24.05.2025 को निष्पादित वसीयत के आधार पर वसीयतकर्ता रविन्द्रनाथ सिंह आ. पदारथ का नाम विलोपित कराकर, अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/01/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 16/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700006

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2025-26

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.00016
[136/40 (0.06100) 1
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार विजय प्रकाश सिंह,
अनावेदक पक्षकार -रविन्द्रनाथ सिंह,

ईश्तहार

आवेदक विजय प्रकाश सिंह आ0स्व0 रविन्द्रनाथ सिंह निवासी विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 136/40, 136/101 रकबा 0.061, 0.134 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 29.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0/.../अ-20 (3) /2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती सुजाता अग्रवाल पति श्री सुभाष अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर -03 मोहल्ला ईमलीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 979/2, 979/3 रकबा क्रमशः 0.02,1/2, 0.02,3/4 एकड़ भूमि एवं निर्मित मकान को रूपये 52,00,000-00 (बावन लाख) में अनावेदक /केता अम्बरी जफर पति डा0 समसुददोहा एवं 01 अन्य तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0/.../अ-20 (3) /2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमती सुजाता अग्रवाल पति श्री सुभाष अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-03 मोहल्ला ईमलीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 979 / 2, 979 / 3 रकबा क्रमशः 0.02,1/2, 0.02,3/4 एकड़ भूमि एवं निर्मित मकान को रूपये 52,00,000-00 (बावन लाख) में अनावेदक / केता मोहम्मद आदिल आ0 डा0 समसुद्दोहा, नैला साधिर पति डा0 मोहम्मद सागिल दोनों निवासी ईमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 1653/ब-121/2024
सूरजपुर,दिनांक 8/12/2025

आवेदक/आवेदिका का नाम श्रीनाथ आ0 रामजतन जाति कुम्हार निवासी ग्राम पेण्डरखी प.ह.न. 29 तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने माता-स्व0 फुलमतिया मृत्यु दिनांक 18/03/2023 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही पारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 29/12/2025 समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 8/12/25 किया जाता है।

सील — तहसीलदार, सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0 ..../ब-121/2024
सूरजपुर,दिनांक 8/12/2025

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम पारवती पिता/पति स्व. धनुकधारी जाति अहीर निवासी ग्राम/मोहल्ला बनाकपारा/ पेण्डरखी प.ह.नं. 29 तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने पिता स्व0धनुकधारी आ0 जमादार मृत्यु दिनांक 22/01/2024 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 29/12/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 202509260300059 /अ-6 अ/2024-25
ग्राम-डुमरिया,तहसील-सूरजपुर, जिला सूरजपुर

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक जीवन आ. होलसाय, जाति पनिका, निवासी ग्राम डुमरिया, थाना सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर, (छ0ग0) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि आवेदक के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि ग्राम डुमरिया, प.ह.नं. 05, रा.नि.मं. बसदेई, तहसील सूरजपुर (छ.ग.) में स्थित है। जिसका खसरा नम्बर 1094/2, 1094/4 रकबा 0.024 0.046 हे. है। उक्त भूमि वर्तमान ऑनलाईन रिकार्ड में त्रुटिवश सैन पिता मिऊ के नाम पर त्रुटिवश दर्ज है। जिसे त्रुटि सुधार कर खसरा नम्बर 1094/2, 1094/4 रकबा 0.024, 0.046 हे. भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति दिनांक 31.12.2025 तक न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 11.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0), सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदारअम्बिकापुर-2, जिला- सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 / ब-121 / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीनबंधु गोलदार पिता ज्ञानेन्द्र गोलदार, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित 69/2 मेसे रकबा 0.210 हे0 पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से जय भगवान अग्रवाल पिता श्री एस. आर. अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी बनारस चौक अम्बिकापुर से दिनांक 08/12/2024 को कय किया गया है। क्रय उपरांत उक्त भूमि नामांतरण बाद खसरा नंबर 69 / 5 रकबा 0.210 हे0 दीनबंधु गोलदार आ. ज्ञानेन्द्र गोलदार, जाति क्षत्रिय के नाम पर दर्ज किया गया है। खातेदार / आवेदक द्वारा उक्त भूमि मेसे 07 अलग-अलग विक्रय पत्र के माध्यम से कुल रकबा 0.175 हे0 विक्रय किया है। जो वर्तमान में खसरा नंबर 69/7, 69/9, 69/12, 69 / 13, 69 / 14, 69/15 व 69/16 के रूप में दर्ज है। आवेदक की क्रय शुदा भूमि का रकबा 0.210 हे0 मेसे विक्रय किया गया रकबा 0. 175 हे0 कम करने पर शेष रकबा 0.035 हे. शेष बचता है परंतु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में 0.002 हे. ही दर्ज है। जो त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा रकबा सुधार का 0.035 हे0 दर्ज आवेदक न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/01/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 22/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार पिलखा क्षेत्र विश्रामपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 202510200100037 /अ-21/2025-26

साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण अनुराग साहु आ0 स्व. संतोष साहू अन्य 4 जाति तेली निवासी एम.जी रोड अम्बिकापुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की शामिल खाते की भूमि ग्राम शिवनंदनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर स्थित भूमि 490/4 रकबा 0.275 हे0 भूमि व्यपवर्तित भूमि है, को अनावेदक केता संजय कुमार गोयल आ सत्यनारायण गोयल निवासी सूरजपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 के पास रूपये 20,00,000/-(बीस लाख रूपये) में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया गया है। आवेदित भूमि आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित भूमि है जिसे विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 06-01 2026 को उपस्थित हो कर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17-12-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील — नायब तहसीलदार, पिल्खा क्षेत्र विश्रामपुर जिला- सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700135

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.00016 [(हे0)]
मामले की श्रेणी - राजस्व
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -मंजूलता खलखो,
अनावेदक पक्षकार - छ0ग0शासन

ईश्तहार

आवेदिका मंजूलता खलखो पत्नी स्व0 दयानंद कुमार खलखो, निवासी ग्राम इंदिरा नगर, नवापारा, फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने पति स्व0 दयानंद कुमार खलखो जो कार्यालय कार्यपालन अभियंता, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संभाग कोण्डागांव में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत थे, जिसकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 11.12.2025 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.01.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

टाइगर रिजर्व या भ्रष्टाचार का अभयारण्य?

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में 'अघोषित सत्ता' और बेखौफ रेंजर का खेल

जब जंगल में कानून नहीं,संरक्षण चलता है...

किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व का घोटाला?

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में 'अघोषित सत्ता' का खेल?

किसके संरक्षण में है रेंजर टुंडे–और क्यों बेखौफ है जांच से?

-राजन पाण्डेय-

बैकुण्ठपुर,26 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में स्थित गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, जिसे राज्य का नवीनतम टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है, आज वन्यजीव संरक्षण से ज़्यादा भ्रष्टाचार, संरक्षण और अघोषित सत्ता संरचना के आरोपों को लेकर चर्चा में है, सबसे बड़ा सवाल एक ही नाम पर आकर टिक जाता है–रेंजर टुंडे। स्थानीय सूत्रों और लगातार सामने आ रही शिकायतों के अनुसार,पार्क के रेंजर टुंडे किसी डीएफओ के अधीन काम करते नहीं दिखते,न आदेश का भय,न स्थानांतरण की चिंता,न जांच का डर उनका व्यवहार यह संकेत देता है कि उन्हें कहीं न कहीं से मजबूत संरक्षण प्राप्त है।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में स्थित गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, जिसे हाल ही में राज्य का चौथा और देश का नवीनतम टाइगर रिजर्व घोषित किया गया,आज वन्यजीव संरक्षण के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार,प्रशासनिक अनियमितताओं और अंदरूनी साठगांठ के आरोपों को लेकर चर्चा में है,जिस उद्यान को बाघों के सुरक्षित भविष्य का प्रतीक बनना था,वही आज सवालों के घेरे में खड़ा दिखाई देता है।

जब जंगल में रेंजर कानून से ऊपर हो जाए...

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में स्थित गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान को हाल ही में टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया,यह दर्जा बाघों की सुरक्षा के लिए था,लेकिन आज यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह दर्जा अब कुछ अधिकारियों के लिए 'कानून से ऊपर' होने का लाइसेंस बन गया है? राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मामला केवल एक रेंजर,एक पार्क या एक राज्य तक सीमित नहीं रह गया है,यह उस प्रशासनिक संस्कृति को उजागर करता है, जिसमें संरक्षण का नाम लेकर भ्रष्टाचार जंगलों में छुपा दिया जाता है।

किसी डीएफओ से नहीं डरता रेंजर..तो डरता किससे है तंत्र?

गंभीर आरोप यह हैं कि पार्क के एक रेंजर को न डीएफओ का डर है,न स्थानांतरण का,न जांच का,बल्कि उसे पूरा भरोसा है कि जांच हुई तो भी क्लीन चिट मिलेगी,यह भरोसा यूँ ही नहीं आता,यह भरोसा तब आता है,जब अधिकारी जानता हो कि मेरी फाइल कभी ऊपर तक पहुँचेगी ही नहीं,और यही वह बिंदु है जहाँ मामला भ्रष्टाचार से आगे,संरक्षण तक पहुँच जाता है।

भ्रष्टाचार का पैसा और संरक्षण की ढाल

सबसे खतरनाक आरोप यह है कि भ्रष्टाचार से निकला पैसा ऊपर तक पहुँचता है और वही पैसा संरक्षण की ढाल बन जाता है,यदि यह आरोप सही हैं,तो यह सिर्फ वन विभाग की विफलता नहीं,बल्कि शासन-प्रशासन की नैतिक हार है।

फर्जी मस्टर रोल और मजदूरी घोटाला

उद्यान क्षेत्र में तालाब निर्माण,चेक डैम,अग्नि सुरक्षा और अन्य श्रम आधारित कार्यों में फर्जी मस्टर रोल के गंभीर आरोप सामने आए हैं सूत्रों के अनुसार ऐसे मजदूरों के नाम दर्ज हैं जिन्होंने कभी काम नहीं किया, बाहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के नाम पर मजदूरी भुगतान,कागज़ों में काम पूरा, ज़मीन पर सन्नाटा यह सीधे तौर पर सरकारी धन की सुनियोजित लूट की ओर इशारा करता है।

घटिया निर्माण,महीनों में ढहते ढांचे

वन्यजीवों के लिए बनाए गए पेयजल स्रोत,स्टाफ डेम,तालाब और चेक डैम कुछ ही महीनों में जर्जर होने लगे हैं,यह सवाल खड़ा करता है जब निर्माण कुछ महीनों में ही जवाब दे दे,तो करोड़ों रुपये गए कहाँ? स्थिति इतनी गंभीर है कि कुछ तालाबों को तिरपाल से ढकने की नौबत आ गई जो अपने आप में निर्माण गुणवत्ता पर करारा तमाचा है।

डीजल,वाहन भत्ता और गश्ती फंड का दुरुपयोग

सोनहत रेंज के रेंजर महेश टुंडे को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं,सूत्रों का दावा है कि रेंजर प्रायः मुख्यालय में मौजूद नहीं रहते, सरकारी वाहन से बैकुंठपुर-सोनहत का नियमित आवागमन,प्रतिदिन का खर्च शासन के खाते से,डीजल की खपत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के संदेह, गश्ती फंड के निजी उपयोग की आशंका यदि ये आरोप सही हैं,तो यह वन सुरक्षा नहीं,सरकारी संसाधनों की निजी सवारी का मामला बनता है।

कैम्पा फंडः कागज़ों में जंगल,ज़मीन पर सच्चाई गायब

वृक्षारोपण और मिट्टी संरक्षण के लिए मिलने वाला कैम्पा फंड भी सवालों के घेरे में है,कागज़ों में दर्ज कार्यों और धरातल पर दिख रही हकीकत के बीच बड़ा अंतर बताया जा रहा है,कई जगहों पर कार्यों की संख्या कागज़ों में ज्यादा,जमीन पर बेहद कम,यह सीधे-सीधे फंड के बंदरबांट का संकेत देता है।

भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा शिकारःवन्यजीव

इस पूरी व्यवस्था की सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं बाघ और अन्य वन्यजीव, सुरक्षा उपकरणों की कमी,गश्ती दल की निष्क्रियता,शिकार की घटनाओं का खतरा,वनों की कटाई और अतिक्रमण पर लगाम नहीं ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की निष्क्रियता से टाइगर रिजर्व का भविष्य खतरे में है।

आय से अधिक संपत्ति के आरोप

सूत्रों के अनुसार,उद्यान के एक रेंजर आय से अधिक संपत्ति के मालिक बन चुके हैं,जिला मुख्यालय के रिहायशी इलाके में बड़ा मकान,लग्ज़री वाहन,अन्य अघोषित संपत्तियाँ सवाल यह है सरकारी वेतन से यह सब संभव कैसे हुआ?

आठ साल से एक ही रेंज में जमे अधिकारी

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि लगातार शिकायतों के बावजूद सोनहत रेंज के अधिकारी पिछले 8 वर्षों से एक ही जगह पदस्थ हैं,सूत्रों का दावा है कितनी भी बड़ी अनियमितता हो, कार्रवाई नहीं होती,यह बयान यदि सच है,तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं बल्कि सिस्टम पर कब्ज़े का संकेत है।

जांच या लीपापोती?

हालाँकि वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि शिकायतों की जांच के लिए टीम गठित की गई है,लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि शिकायतें पुरानी हैं,कार्रवाई न के बराबर,दोषियों का मनोबल ऊँचा जिससे यह आशंका गहराती जा रही है कि कहीं यह जांच भी कागज़ी औपचारिकता बनकर न रह जाए।

न हटाया जा सकता हूँ,न रोका जा सकता हूँ–किस भरोसे पर?

उद्यान क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि रेंजर टुंडे को इस बात का पूरा भरोसा है कि न उन्हें कोई हटा सकता है न उनके खिलाफ जांच आगे बढ़ेगी और यदि कभी जांच हुई भी,तो उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी,यह भरोसा केवल आत्मविश्वास नहीं, बल्कि संरक्षण के ठोस संकेत देता है। सवाल यह है कि आखिर वह कौन है जो यह संरक्षण दे रहा है?

टाइगर रिजर्व या 'नो-एंट्री ज़ोन'?

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान एक ऐसा टाइगर रिजर्व बनता जा रहा है,जहाँ आम नागरिकों की आवाजाही लगभग नहीं के बराबर है,पारदर्शिता शून्य है और वन्यजीव संरक्षण की आड़ में करोड़ों रुपये के कार्य हो रहे हैं सूत्रों का कहना है कि कुछ अधिकारी यह मानकर चलते हैं कि जंगल में हुई गड़बड़ी जंगल में ही दब जाएगी, लेकिन हकीकत यह है कि गड़बड़ियाँ जंगल से बाहर आ रही हैं खबरें लग रही हैं,शिकायतें हो रही हैं,और सवाल पूछे जा रहे हैं।

भ्रष्टाचार की गंध और बढ़ती संपत्ति

रेंजर टुंडे की तेज़ी से बढ़ती संपत्ति भी संदेह के घेरे में है,सूत्रों के मुताबिक पदस्थापना के बाद संपत्ति में असामान्य वृद्धि,रहन-सहन और संसाधनों में अचानक बदलाव यह सब इशारा करता है कि उनके कार्यक्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, और इससे भी गंभीर आरोप यह है कि भ्रष्टाचार से निकला पैसा ऊपर तक पहुँचता है,और वही संरक्षण की ढाल बनता है।

7 नहीं...10 नहीं...अनंत पदस्थापना?

सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था में एक अधिकारी का 3-5 साल से अधिक एक ही स्थान पर रहना अपवाद माना जाता है, लेकिन यहाँ 7 साल,10 साल और अब चर्चा 15 साल तक एक ही रेंज में जमे रहने की यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं,सिस्टम की मिलीभगत का संकेत है।

जांच क्यों नहीं बढ़ती?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है शिकायतें हैं,खबरें हैं,आरोप हैं संपत्ति का सवाल है,इसके बावजूद निलंबन नहीं, स्थानांतरण नहीं, ठोस जांच नहीं,यदि दोष नहीं है, तो जांच से डर क्यों? और यदि दोष है,तो कार्रवाई से बचाव क्यों?

अब जवाब चाहिए...

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, यह तय होना बाकी है कि यह टाइगर रिजर्व रहेगा या भ्रष्टाचार के लिए सुरक्षित अभयारण्य बन जाएगा,अब जरूरत है,स्वतंत्र उच्च स्तरीय जांच,वित्तीय लेन-देन की गहन पड़ताल, लंबी पदस्थापना की समीक्षा,क्योंकि यदि आज सवाल दबा दिए गए, तो कल सिर्फ बाघ ही नहीं पूरा तंत्र लुप्तप्राय हो जाएगा।

अंतिम राष्ट्रीय सवाल

क्या भारत के टाइगर रिजर्व वन्यजीवों के लिए सुरक्षित हैं या भ्रष्टाचारियों के लिए? इस सवाल का जवाब अब केवल राज्य सरकार नहीं, देश का तंत्र देने वाला है।

बरदिया मण्डल में सुन्दरकांड पाठ एवं हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन

श्रद्धा,संगठन और सांस्कृतिक एकता का सशक्त प्रदर्शन

मुख्य वक्ता एवं मंचीय भूमिका कार्यक्रम में किनकी रही...

मुख्य वक्ता विवेक सक्सेना (रायपुर)

धार्मिक प्रवक्ता पंडित सुयश देव जी (महोरा वाले)

महिला वक्ता श्रीमती सुंदरी राजवाड़े जी ने अपने प्रेरक विचार रखे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अल्का चौबे द्वारा किया गया।

-संवाददाता-

पटना/बरदिया, 26 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। बरदिया मण्डल में दिनांक 25 दिसंबर 2025 को प्रातः 10ः00 बजे से सुन्दरकांड पाठ का आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ, इसके पश्चात् हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, युवा एवं मातृशक्ति की उल्लेखनीय सहभागिता रही, आयोजन स्थल पर पूरे समय भक्ति, अनुशासन और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा, सुन्दरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्शों मर्यादा, त्याग, साहस और कर्तव्य से प्रेरणा ग्रहण की। सामूहिक पाठ एवं भजन-कीर्तन से सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया।

बता दे की बरदिया मण्डल में दिनांक 25 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10ः00 बजे से सुन्दरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात् हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, युवा एवं मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजन स्थल पर पूरे समय भक्ति, अनुशासन और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा, सुन्दरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्शों, त्याग, मर्यादा और कर्तव्यबोध से प्रेरणा प्राप्त की। सामूहिक पाठ और भजन-कीर्तन से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया, हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने हिन्दू संस्कृति, परंपरा, सामाजिक एकता और संगठन की आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु निम्न पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही...

संयोजक योगेंद्र मिश्रा,सह-संयोजक सुभाष देवांगन,देवेन्द्र कुशवाहा, अध्यक्ष मोती सिंह,उपाध्यक्ष संदीप राजवाड़े,संतोष साहू,विजय राजवाड़े, चीकू राजवाड़े,सचिव बाबूलाल देवागन,सह-सचिव अजय पाल, लव सिंह,रत्नेश दुबे,विकाश चक्रधारी,कोषाध्यक्ष राजेश देवांगन,उप-कोषाध्यक्ष संदीप राजवाड़े,व्यवस्था प्रमुख,रवि शंकर शर्मा विशेष सहयोग केशरीनंदन परिवार

हिन्दू सम्मेलन का संदेश

हिन्दू सम्मेलन में वक्ताओं ने हिन्दू संस्कृति,परंपरा,सामाजिक एकता और संगठन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और युवाओं में सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान

आयोजन के दौरान विभिन्न समाजों के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। साथ ही बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया और संस्कार व संस्कृति का संदेश दिया,कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया गया, जिसमें स्थानीय युवाओं एवं समिति सदस्यों ने अनुशासित व्यवस्था के साथ सक्रिय सहयोग किया, आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं,पदाधिकारियों, वक्ताओं, युवाओं एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज को संगठित और जागरूक करने का प्रयास जारी रहेगा। सम्मेलन में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से-लोधी समाज,कुर्मी समाज, प्रजापति समाज,अग्रवाल समाज,धोबी समाज,अहिर/यादव समाज,कुशवाहा समाज,ब्राह्मण समाज,सोनार समाज,पवैया समाज,राजवाड़े समाज,गुप्ता समाज, बघेल समाज,कंवर समाज,उरांव समाज, कोल समाज, कवराई समाज सहित अन्य समाजों के समाज प्रमुख, संयोजक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

राष्ट्रीय वीर बाल दिवस पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय बरियों में कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-

बलरामपुर,26 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बरियों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीर बाल दिवस पर प्रकाश डाला गया। साथ ही भाषण,कविता,निबंध विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम आर यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें नन्हे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिए,जिन्होंने बहुत कम उम्र में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि इसी प्रकार विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों और परेशानियों को दरकिनार कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर परिश्रम करना चाहिए,तभी भविष्य में सफलता सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजपुर श्री अरविन्द गुप्ता,प्राचार्य श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव,संकुल के प्रधान पाठक,शिक्षक शिक्षिकाएं एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

मोहम्मद रफी को किसने बनाया बॉलीवुड का तानसेन

संगीत के जादूगर था ये म्यूजिक डायरेक्टर

मोहम्मद रफी, एक जाने माने बॉलीवुड सिंगर थे जिन्होंने मुगल-ए-आजम जैसी क्लासिक हिट से लेकर दीवाना समेत कई बेहतरीन फिल्मों के गानों में अपनी आवाज दी। लेकिन क्या आपको पता है रफी के इस सफर में एक शख्स की अहम भूमिका है।

मोहम्मद रफी, संगीत के दीवानों के लिए यह नाम बेपहचान नहीं हो सकता। रफी ने हिंदी सिनेमा के कई गानों को अपने सुरों से सजाया है और एक बेहतरीन सिंगर के तौर पर अपनी जगह पक्की की है। लेकिन कहते हैं अगर साथ सच्चा मिले तो मुश्किल से मुश्किल मंजिल भी आसान लगने लगती है। कुछ ऐसा ही हुआ मोहम्मद रफी के साथ। उन्हें साथ मिला म्यूजिक डायरेक्टर नौशाद का। जिन्होंने रफी को कई बड़े मौके दिए और एक बेहतरीन सिंगर बनने के उनके ख्वाब को मुकम्मल करने में अपना योगदान दिया।

म्यूजिक डायरेक्टर नौशाद ने मोहम्मद रफी के करियर को बनाने में अहम भूमिका निभाई, उन्हें बड़े मौके दिए और बैजू बावरा (1952) जैसे क्लासिक साउंडट्रैक के जरिए उनकी वर्सेटिलिटी को दिखाया। रफी के ओ दुनिया के रखवाले जैसे गानों ने उन्हें एक लीडिंग प्लेबैक सिंगर के तौर पर स्थापित किया। नौशाद ने रफी को दिलीप कुमार जैसे एक्टर्स की आवाज बनाया और अपने शानदार कोलैबोरेशन से हिंदी फिल्म संगीत के एक सुनहरे दौर को परिभाषित किया, जिसमें मुगल-ए-आजम और दीदार के हिट गाने शामिल थे।

पहली बार नौशाद से कहां मिले रफी

रफी पहली बार नौशाद से नौशाद के पिता के रिकमेंडेशन लेटर के साथ मिले,जिससे उन्हें पहली आप (1944) में नौशाद के लिए अपना पहला गाना गाने का मौका मिला। जिसके बाद बैजू बावरा (1952) फिल्म एक बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी,जिसने रफी को अपने क्लासिकल गानों से टॉप प्लेबैक सिंगर के तौर पर स्थापित किया,जिसमें उन्होंने मुश्किल रागों और ऊंची आवाज पर अपने कंट्रोल को दिखाया। नौशाद ने रफी की अलग-अलग एक्टर्स (दिलीप कुमार, जॉनी वॉकर) और गानों के टाइप (कव्वाली, भजन, रोमांटिक, कॉमिक) के लिए अपनी आवाज को ढालने की अनोखी काबिलियत को पहचाना।

दोनों की पार्टनरशिप ने दिए कई हिट गाने

उनकी पार्टनरशिप ने कई हिट गाने दिए, जिनमें सुहानी रात ढल चुकी (दुलारी), तस्वीर बनाता हूं (दीवाना), और ऐ मोहब्बत जिंदाबाद (मुगल-ए-आजम) शामिल हैं। नौशाद ने रफी को प्लेबैक सिंगिंग का बादशाह बताया और उनका अनोखा कॉम्बिनेशन लेजेंडरी बन गया, जिसने 1950 और 1960 के दशक के हिंदी सिनेमा की आवाज को आकार दिया। रफी ने नौशाद के लिए 149 से ज्यादा गाने गाए।

नौशाद के बारे में

भारतीय संगीत के पायनियर माने जाने वाले नौशाद अली बॉलीवुड के इतिहास के पहले और सबसे खास संगीतकारों में से एक थे। 1937 से, वह फिल्मों के लिए संगीत बना रहे थे, जिसने उनके संगीत के साथ मिलकर बॉलीवुड की नींव बनाया। उन्हें मशहूर गायकों लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी को दुनिया से मिलवाने और उन्हें आज के आइकॉन बनाने के लिए भी जाना जाता है। हालांकि उन्होंने सौ से भी कम फिल्मों में काम किया, लेकिन उनमें से 26 फिल्मों ने जुबली मनाई, जिनमें से कुछ ने गोल्डन और यहां तक कि डायमंड जुबली भी मनाई।

अमिताभ बच्चन के साथ शुरू हुआ था इस मशहूर विलेन का करियर,45 साल बाद शेयर की खूबसूरत यादें...

दिलीप ताहिल ने अमिताभ बच्चन के साथ अपने पहले सीन की शूटिंग को याद किया। फिल्म से एक तस्वीर शेयर करते हुए दलीप ताहिल ने दिलचस्प किस्सा सुनाया...

भारतीय सिनेमा की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक शान ने शुक्रवार को अपनी रिलीज के 45 साल पूरे कर लिए। एक्टर दलीप ताहिल ने रमेश सिप्पी की इस फिल्म से जुड़ा एक मजेदार किस्सा शेयर करके इस मौके को याद किया।

अमिताभ बच्चन के साथ शूट किया पहला सीन

ताहिल ने बताया कि शान का मशहूर शेविंग सीन, जिसमें उनका सामना अमिताभ बच्चन से होता है, किसी मेनस्ट्रीम बॉलीवुड फिल्म के लिए उनका पहला शॉट था। फिल्म के इस मुकाम पर पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए, ताहिल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की और लिखा, शान आज 45 साल पूरे कर रही है और यह फिल्मों में मेरे आने की सालगिरह भी है। जी. पी. सिप्पी ने सिप्पी फिल्म्स के प्रोडक्शन बैनर तले इस ड्रामा को

बनाया था और इसकी कहानी पहले की मशहूर लेखक जोड़ी सलीम-जावेद ने लिखी थी

अपने समय की सबसे महंगी फिल्म थी शान

अपने समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक, शान में सुनील दत्त, शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, राखी गुलजार, परवीन बाबी, बिंदिया गोस्वामी, मज़हर खान और कुलभूषण खरबंदा जैसे कई बड़े कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। यह क्राइम ड्रामा एक पुलिस ऑफिसर, शिव (सुनील दत्त द्वारा अभिनीत) की हत्या के इर्द-गिर्द घूमता है। उसके दो धोखेबाज भाई, विजय (अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत) और रवि (शशि कपूर द्वारा अभिनीत), सुधर जाते हैं और अपराधी शकाल (कुलभूषण खरबंदा द्वारा अभिनीत) से बदला लेने के लिए एक निशानेबाज, राकेश (शत्रुघ्न सिन्हा द्वारा अभिनीत) के साथ हाथ मिलाते हैं।

मोहम्मद रफी ने आखिरी बार इसी फिल्म में गाए थे गाने

माना जाता है कि शकाल का मशहूर किरदार जेम्स बॉन्ड फिल्म सीरीज के अर्न्स्ट स्टावरो ब्लोफेल्ड के किरदार से प्रेरित था। शान मोहम्मद रफी के गाए गानों वाली आखिरी फिल्म भी साबित हुई। दलीप ने आगे कहा, आप सभी के लिए एक मजेदार बात, शान में शेविंग सीक्वेंस पहला सीन था जो मैंने मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में शूट किया था और वो भी खुद अमितजी के साथ (शुरुआत ही बेस्ट के साथ हुई)। रमेश सिप्पी, बच्चन साहब आपके सब्र के लिए धन्यवाद। आप सभी के लिए एक मजेदार बात, शान फिल्म में शेविंग वाला सीन मेरे करियर का पहला सीन था जिसे मैंने मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में शूट किया था और वो भी किसी और के साथ नहीं बल्कि खुद अमितजी के साथ (शुरुआत ही बेस्ट के साथ हुई)। रमेश सिप्पी, बच्चन साहब, आपके सब्र के लिए धन्यवाद।

किसके प्यार में पागल हैं अमाल मलिक ? सिंगर ने बताई मिस्ट्री गर्ल की सच्चाई

बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट और सिंगर अमाल मलिक ने मिस्ट्री गर्ल के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि चीजें वैसी नहीं हुई जैसा उन्होंने सोचा था। सिंगर ने शो में इस मिस्ट्री गर्ल का कई बार जिक्र किया था। बिग बॉस 19 में अमाल मलिक ने बताया कि उन्हें एक मिस्ट्री गर्ल के लिए फीलिंग्स थीं, लेकिन यह रिश्ता या प्यार एकतरफा था। उन्होंने कहा कि उसे उनकी फीलिंग्स के बारे में पता नहीं था और वह रियलिटी शो में पहली बार अपनी फीलिंग्स बता रहे हैं। अब शो

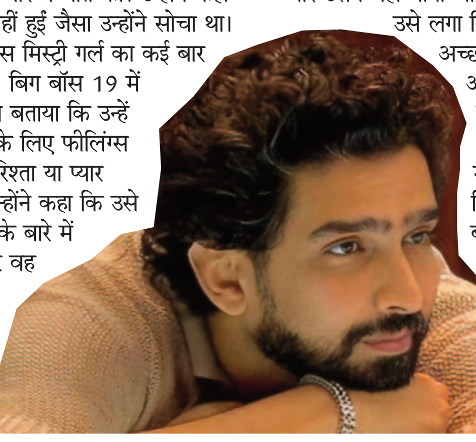

खत्म होने के हफ्तों बाद,अमाल ने उस लड़की के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि जैसा उन्होंने सोचा था, वैसा नहीं हुआ।उन्होंने साफ किया कि वह सिंगल हैं और बताया कि हालांकि वह शो या उसके मेकर्स को दोष नहीं देते, लेकिन उन्होंने कहा कि बाहर की दुनिया कहानियां बनाने में बिजी थी और उन्हें घर के सदस्यों से गलत तरीके से जोड़ रही थी। अमाल ने कहा कि वह मिस्ट्री गर्ल इंडस्ट्री से नहीं थी और उसने वही माना जो लिखा गया था और उसे लगा कि दूर रहना ही ज्यादा अच्छा है।

अभी सिंगल हैं अमाल मलिक?

एक बातचीत में अमाल मलिक ने अपने मौजूदा रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात की और कहा, मैं अभी भी सिंगल हूं। जैसा मैंने सोचा था, वैसा नहीं हुआ। शो की वजह से वो एक चीज तो जिंदगी से हट गई। यानी वो बात पूरी नहीं हुई और ये बात मुझे दो दिन पहले ही समझ आई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें बिग बॉस 19 से बहुत प्यार और सफलता मिली,लेकिन लड़की के साथ उनके रिश्ते में बहुत कुछ गलत हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने जो कुछ गलत हुआ, उसे समेटने के लिए कुछ लिखा है।

पहली बार साउथ सुपरस्टार के साथ रोमांस करेंगी करीना कपूर

पूरी हो गई फिल्म की शूटिंग,डायरेक्टर के पिता जीत चुके हैं ऑस्कर

करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन ने मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित आगामी खोजी अपराध थ्रिलर फिल्म दायरा की शूटिंग पूरी कर ली है। जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दायरा इस बात की पड़ताल करती है कि कैसे एक ही परेशान करने वाली घटना समान और विपरीत प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकती है, जिससे जनमत प्रभावित होता है और जटिल नैतिक प्रश्न उठते हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार फिल्म न्याय और सत्य के अस्पष्ट क्षेत्रों में गहराई से उतरती है और दर्शकों को आसान जवाब देने के बजाय चिंतन करने के लिए प्रेरित करती है।

पृथ्वीराज सुकुमारन ने दी जानकारी

पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के बारे में जानकारी साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, दायरा की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर हमने जो कहानी जी है, वह जल्द ही दुनिया भर के दर्शकों के लिए जीवंत हो उठेगी। इस सफर के लिए आभारी हूं और 2026 में सिनेमाघरों में इसे देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। सितंबर में फिल्म के मुख्य कलाकारों ने शूटिंग के पहले दिन की झलकियां साझा कीं जिनमें कई पर्दे के पीछे के पल भी शामिल थे। करीना कपूर ने लिखा था, पहला दिन। 68वीं फिल्म दायरा, सबसे अद्भुत मेघना गुलजार और असली पृथ्वी के साथ। प्यार और आशीर्वाद भेजें। पहले दिन पूजा समारोह आयोजित करने से लेकर निर्देशक मेघना गुलजार के साथ दृश्यों पर चर्चा करने, लुक टेस्ट करने, दृश्यों की शूटिंग करने और स्क्रिप्ट पढ़ने तक, अभिनेत्रियों ने अपनी तैयारियों की अंतरंग जानकारी दी।

खेल समाचार

विजय हजारे ट्रॉफी में कोहली-पंत की फिफ्टी से जीती दिल्ली

मुंबई ने उत्तराखंड को हराया, रोहित जीरो पर आउट रिंकू सिंह का शतक

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी में शुक्रवार को दिल्ली से खेलते हुए 29 गेंदों में अर्धशतक लगाया। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 61 बॉल पर 77 रन बनाए। इधर,जयपुर में मुंबई के रोहित शर्मा उत्तराखंड के खिलाफ पहली ही गेंद पर आउट हो गए। जबकि, राजकोट में कप्तान रिंकू सिंह के शतक के सहारे उत्तर प्रदेश ने चंडीगे को 227 रन से हराया।

बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे ग्रुप-डी के मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली की शुरुआत खराब रही। ओपनर प्रियांश आर्या सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर विराट कोहली ने 11 चौके और एक छक्का जड़ते हुए 61 गेंदों पर 77 रन बनाए और दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कप्तान ऋषभ पंत (79 गेंदों पर 70 रन) और (हर्ष त्यागी ने 47 गेंदों पर 40 रन) की पारियों ने दिल्ली को 254/9 के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में गुजरात 47.4 ओवर में 247 रन पर ऑलआउट हो गई।

रोहित शर्मा पहली गेंद पर आउट

जयपुर में खेले जा रहे ग्रूप-सी के मुकाबले में उत्तराखंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। इस मैच में रोहित शर्मा पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उत्तराखंड के खिलाफ मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 331 रन बनाए। मुशीर खान और सरफराज खान ने 55-55 रन बनाए। वहीं, हार्दिक तोमरे ने 82 गेंदों में नाबाद 93 रन की पारी खेली।

जवाबी पारी में उत्तराखंड की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 280 रन ही बना सकी। युवराज चौधरी ने 96 और जे सुचित ने 51 रन बनाए। शार्दूल ठाकुर, ओंकार तरमाले और मुशीर खान को 2-2 विकेट मिले।

अंगकृष रघुवंशी को चोट लगी, अस्पताल ले जाया गया

मुंबई के अंगकृष रघुवंशी को फील्डिंग के दौरान चोट लग गई। उन्होंने डीप मिडविकेट बाउंड्री पर कैच पकड़ने के लिए आगे की ओर डाइव लगाई। इससे उनके कंधे और सिर पर चोट लगी।अंगकृष को स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। उन्हें जयपुर के एक अस्पताल में ले जाया गया है। हालांकि, उनकी चोट पर अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है।

यूपी 227 रन से जीता

राजकोट में चल रहे ग्रूप-बी के मैच में चंडीगे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यूपी ने रिंकू सिंह और आर्यन जुयाल के शतक के सहारे 50 ओवर में 4 विकेट पर 367 रन बना लिए। रिंकू ने 60 बॉल पर नाबाद 106 रन बनाए। जबकि आर्यन ने 118 बॉल पर 134 रन बनाए। चंडीगढ़ से तरणप्रीत सिंह को दो विकेट मिले। जवाब में चंडीगे की पारी 30 ओवर से पहले ही 140 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से कप्तान मनन वोहरा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। यूपी से जीशान अंसारी ने 4 विकेट चटकाए।

शोरे ने लगातार सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की

विदर्भ के ध्रुव शोरे ने राजकोट में हैदराबाद के खिलाफ ग्रूप मैच में 77 गेंदों पर नाबाद 109 रन बनाए। उन्होंने लगातार 5 मैचों में शतकीय पारी खेली। शोरे ने लिस्ट7 क्रिकेट में लगातार मैचों में सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की है। तमिलनाडू के नारायण जगदीशन भी लगातार 5 मैच में शतक लगा चुके हैं।

शोरे ने अपनी पारी में 9 चौके और 6 छक्के लगाए और टीम को 50 ओवर में 5 विकेट पर 365 रन तक पहुंचाया। यह शोरे का लिस्ट- करियर का आठवां शतक और लगातार पांचवां शतक रहा। जगदीशन ने 2022-23 विजय हजारे ट्रॉफी में यह कारनामा किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 277 रन का स्कोर भी शामिल था,जो लिस्ट क्रिकेट का हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर है। शोरे ने पिछले सीजन के आखिरी तीन मैचों में शतक लगाए थे। इस मैच को विदर्भ ने 89 रन से जीता।

गिल-अभिषेक टीम में नहीं, फिर भी पंजाब जीता

शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने जयपुर में छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच नहीं खेला। पंजाब की कप्तानी प्रभसिमरन सिंह ने की और टीम को जीत दिलाई। छत्तीसगढ़ ने 253 रन बनाए। अमनदीप खरे और मयंक वर्मा ने फिफ्टी लगाई। हरनूर सिंह और अनमोलप्रीत सिंह ने सेंचुरी लगाकर पंजाब को 47 गेंद पहले जीत दिला दी।

वैभव बाल पुरस्कार लेने दिल्ली पहुंचे

14 साल के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी मणिपुर के खिलाफ रांची में खेले जा रहे मैच में नहीं खेल सके। वे दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार लेने गए हुए थे। इसी वजह से वे टीम के साथ मौजूद नहीं रहे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों को दिया जाने वाला देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है।

सूर्या करिश्मा और श्रुति मुंडाडा की शानदार जीत,सेमीफाइनल में प्रवेश

विजयवाड़ा,26 दिसम्बर 2025। स्थानीय पसंदीदा खिलाड़ी सूर्या करिश्मा तमिरी और अनुभवी श्रुति मुंडाडा ने शुक्रवार को विजयवाड़ा में सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सीधे गेम में टॉप दो सीड खिलाड़ियों को हरा दिया। सूर्या करिश्मा ने टॉप सीड उन्नति हुड्डा को आसानी से हरा दिया, उन्होंने अपना क्वार्टर फाइनल मैच सिर्फ 36 मिनट में 21-12, 21-15 से जीता, जबकि श्रुति ने दूसरी सीड और पूर्व नेशनल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को 39 मिनट में 22-20, 21-12 से हराया। सेमीफाइनल में, सूर्या करिश्मा का मुकाबला रक्षिता श्री से होगा, जिन्होंने 18 साल की खिलाड़ी होने के बावजूद एक गेम से पिछड़ने के बाद वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा को 16-21, 21-14, 21-18 से हराया। पुरुष सिंगल्स कैटेगरी में, टॉप सीड किरण जॉर्ज को 11वीं सीड रौनक चौहान की चुनौती से पार पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, उन्होंने यह मैच 41 मिनट में 21-18, 21-18 से जीता। अब

उनका मुकाबला 2024 ओडिशा ओपन चैंपियन ऋत्विक संजीव एस से होगा, जिन्होंने दूसरे क्वार्टर फाइनल में के सतीश कुमार को 21-13, 22-20 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में दूसरी सीड एम तरुण का मुकाबला अनसीडेड भरत राघव से होगा। क्वार्टर फाइनल में,तरुण ने मनराज सिंह को 21-13, 22-20 से हराया, जबकि भरत ने जिनपॉल सोना को 21-17, 21-13 से हराया। महिला डबल्स में टॉप सीड ऋतुपर्णा और श्वेतापर्णा पांडा भी प्री-क्वार्टर फाइनल स्टेज में रिदुवर्षिनी रामासामी और सानिया सिकंदर से हारकर बाहर हो गईं, जिन्होंने यह मैच 21-16, 21-19 से जीता।

टिम डेविड की तूफानी पारी,होबार्ट हरिकेंस की सीजन में तीसरी जीत

पर्थ,26 दिसम्बर 2025। होबार्ट हरिकेंस ने शुक्रवार को पर्थ स्टेडियम में खेले गए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 12वें मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में हरिकेंस की जीत के हीरो टिम डेविड रहे, जिन्होंने 28 गेंदों में 42 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 150 रन बनाए। मिचेल मार्श ने फिन एलन के साथ 3.2 ओवरों में 25 रन की साझेदारी की। मार्श 13 गेंदों में 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद फिन एलन ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 23 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौके के साथ 43 रन की पारी खेली। उनके अलावा, लॉरी इवांस ने 27 रन, जबकि निक होबसन ने 29 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी टीम की तरफ से रिशद हुसैन ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले, जबकि रिले मेरेडिथ ने 2 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में होबार्ट हरिकेंस ने 19.3 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने दूसरी गेंद पर ही मिचेल

ओवन का विकेट गंवा दिया था, जो मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाकर अगली गेंद पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद टिम वार्ड (4) और बेन मैकडरमॉट (9) भी चलते बने। आलम ये रहा कि टीम ने 39 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए। यहां से निखिल चौधरी ने टिम डेविड के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंदों में 63 रन जुटाते हुए स्कोर को 100 के पार पहुंचाया।

निखिल ने 30 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 34 रन की पारी खेली, जबकि टिम डेविड 28 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 42 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। यहां से मैकलिस्टर राइट ने 13 गेंदों में 22 रन की नाबाद पारी खेलते हुए हरिकेंस को 3 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से कूपर कोनोली ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोएल पेरिस ने 2 खिलाड़ियों को पवेलियन लौटाया। इनके अलावा, महली बियर्डमैन को 1 विकेट हाथ लगा। इस सीजन 4 में से 3 मुकाबले जीतकर होबार्ट हरिकेंस प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर है, जबकि शुरुआती तीनों मैच जीतकर मेलबर्न स्टार्स शीर्ष पर मौजूद है।

सूरज शर्मा ने किया दमदार प्रदर्शन

नेशनल शूटिंग में डबल टाइटल अपने नाम

नई दिल्ली,26 दिसम्बर 2025। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (ऋत्नक्क) में दो शांत और शानदार प्रदर्शन के साथ सीनियर और जूनियर दोनों पुरुषों के नेशनल खिताब जीतकर गोल्डन डबल हासिल किया। सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में अपना दबदबा बनाया, 30 हिट के साथ गोल्ड मेडल जीता, और फिर बाद में सीनियर फाइनल को नियंत्रित करते हुए 31 हिट के साथ दूसरा खिताब अपने नाम किया। सूरज ने सीनियर फाइनल की शुरुआत शानदार तरीके से की, अपने पहले 20 में से 19 टारगेट पर निशाना साधा, और 31 हिट के साथ मुकाबला खत्म किया, जो डिफेंडिंग चैंपियन पंजाब के विजयवीर सिद्धू से तीन ज़्यादा थे, जिन्हें 28 हिट के साथ सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने कुल 24 हिट के साथ कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर जगह बनाई। अंकुर गोयल 14 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहे, उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के साथ लगातार तीन शूट-ऑफ में हिस्सा लिया, जो आखिरकार 12 हिट के साथ पांचवें स्थान पर रहे। हरियाणा के आदर्श सिंह पांच हिट के साथ फाइनल में छठे स्थान पर रहे। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, अंकुर गोयल 582-20× के मजबूत

स्कोर के साथ टॉप पर रहे। उनके बाद विजयवीर सिद्धू थे, जिन्होंने 580-18× का स्कोर किया, जबकि आदर्श सिंह 579-22× के साथ तीसरे स्थान पर रहे। मुकेश नेलावल्ली 579-17× के साथ चौथे स्थान पर रहे, जो आखिरकार गोल्ड मेडलिस्ट सूरज शर्मा से आगे थे, जिन्होंने 579-12× के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया। भावेश शेखावत ने 577-22× के साथ टॉप छह में जगह बनाई। इससे पहले RFP जूनियर पुरुषों के फाइनल में, सूरज शर्मा ने एक और शांत प्रदर्शन करते हुए 30 हिट के साथ गोल्ड मेडल जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट के साथ सिल्वर मेडल जीता। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट के साथ कांस्य पदक जीता, उन्होंने पहले क्वालिफिकेशन में 575-13× का स्कोर किया था। समीर 17 हिट्स (571-18×) के साथ चौथे स्थान पर रहे, उनके बाद भव्य शर्मा आठ हिट्स (570-16×) के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स (569-15×) के साथ छठे स्थान पर रहे।

सीनियर टीम कैटेगरी में, पंजाब ने विजयवीर सिद्धू, उदयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू के नेतृत्व में 1725 के कुल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। हरियाणा ने आदर्श सिंह, मनदीप सिंह और समीर के मिले-जुले प्रयासों से 1722 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि नेवी ने प्रदीप सिंह शेखावत, रजत कुमार यादव और ओमकार सिंह की बदौलत 1711 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। जूनियर टीम कैटेगरी में, हरियाणा ने जतिन, समीर और निशांत राठी के साथ 1705 के कुल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतकर टॉप स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश सूरज शर्मा, साहिल चौधरी और हरिओम के नेतृत्व में 1689 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहा और सिल्वर मेडल जीता, जबकि नेवी ने भव्य शर्मा, वंश प्रताप और भानुप्रताप सिंह शेखावत के साथ 1667 के स्कोर पर ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पूरा किया। यह मुकाबला शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2025 को भोपाल में स्क्क स्टेट शूटिंग एकेडमी में जारी रहेगा, जहाँ 50द्व राइफल 3 पोजीशन महिला फाइनल होने हैं। दिन का पहला फाइनल सुबह 9ञ्00 बजे शुरू होगा।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला...ईडी ने 29,800 पन्नों की अंतिम चार्जशीट कोर्ट में की पेश

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने जांच को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचाते हुए आज कोर्ट में लगभग 29 हजार 800 से अधिक पन्नों का अंतिम चालान पेश किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद 82 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इसके साथ ही अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में औपचारिक रूप से ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। ईडी पिछले लंबे समय से छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच कर रही है। जांच के दौरान ईडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में भी एफआईआर दर्ज कराई थी। इस एफआईआर में करीब 3200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का खुलासा किया गया है। ईडी के अनुसार, राज्य में शराब की खरीदी, वितरण और बिक्री के पूरे सिस्टम में संगठित तरीके से अवैध वसूली और कमीशनखोरी की गई। ईडी की जांच में सामने आया है कि यह घोटाला तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में अंजाम दिया गया। एजेंसी का दावा है कि तत्कालीन आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के तत्कालीन प्रबंध निदेशक एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के एक कथित सिंडिकेट के जरिए शराब कारोबार को नियंत्रित किया गया। इस सिंडिकेट ने सरकारी नीति और तंत्र का दुरुपयोग कर अवैध कमाई की और उसे विभिन्न माध्यमों से आगे पहुंचाया गया। ईडी के मुताबिक, शराब दुकानों के आवंटन, ब्रांड चयन, सप्लाई चैन और भुगतान प्रक्रिया में जानबूझकर हेरफेर की गई। इससे न केवल सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ, बल्कि अवैध रूप से अर्जित धन का उपयोग राजनीतिक और निजी लाभ के लिए किया गया। जांच एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से भी इस पूरे नेटवर्क की परत-दर-परत जांच की है। इस मामले में अब तक कई बड़े और प्रभावशाली नामों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर और सौम्य चौरसिया शामिल हैं। इनके अलावा आबकारी विभाग के 28 अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया था, जिन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। करीब 29,800 पन्नों की चार्जशीट में ईडी ने दस्तावेजी साक्ष्य, डिजिटल सबूत, बैंक लेन-देन, गवाहों के बयान और वित्तीय लेन-देन का विस्तृत ब्योरा पेश किया है। एजेंसी का कहना है कि यह चार्जशीट मामले की गंभीरता और व्यापकता को दर्शाती है। अब चार्जशीट दाखिल होने के बाद अदालत में नियमित ट्रायल शुरू होगा। इस ट्रायल पर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश की नजरें टिकी हैं।

अब तक इनकी हो चुकी है गिरफ्तारी

शराब घोटाला मामले में अब तक कई बड़े नामों की गिरफ्तारी हो चुकी है. इनमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर,सौम्य चौरसिया शामिल हैं। इसके अलावा आबकारी विभाग के 28 अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया था,जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

कोण्डागांव की योगिता मंडावी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। कोण्डागांव जिले की प्रतिभाशाली बालिका योगिता मंडावी ने जूडो खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बालिका गृह, कोण्डागांव में पली-बढ़ी योगिता को उनकी उल्लेखनीय खेल उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा योगिता मंडावी को यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में देशभर से चयनित प्रतिभाशाली बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों जैसे खेल,नवाचार, सामाजिक सेवा,कला एवं संस्कृति आदि में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि योगिता मंडावी ने कम उम्र में ही जूडो खेल में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने राज्य की श्रेष्ठ जूडो खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगातार पदक अर्जित कर अपनी निरंतर प्रगति और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने योगिता मंडावी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा कहा कि प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिलती है। योगिता की उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है, बल्कि बालिका गृह एवं बाल कल्याण संस्थाओं में रह रहे बच्चों के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत भी है।

उन्होंने यह साबित किया है कि संसाधनों की सीमाएँ नहीं, बल्कि सपनों के प्रति लगन और परिश्रम ही सफलता का वास्तविक आधार है।

वर्दी पहने इंस्पेक्टर ने धीरेंद्र-शास्त्री के छूए पैर,साथ में दिखे मंत्री खुशवंत साहेब,छिड़ा विवाद

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर सरकारी विमान से रायपुर पहुंचे, जहां वर्दी पहने इंस्पेक्टर ने जूता और टोपी उतारकर बाबा के पैर छुए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, बाबा बागेश्वर छत्तीसगढ़ सरकार के शासकीय विमान से रायपुर पहुंचे, जहां से वे भिलाई रवाना हुए। बताया जा रहा है कि, उन्हें लाने के लिए प्रदेश सरकार के एक मंत्री पहले उसी सरकारी विमान से सतना गए,फिर बाबा बागेश्वर को लेकर रायपुर आए। जिस पर सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि वीडियो में तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब नजर आ रहे हैं। दरअसल,भिलाई के जयंती स्टेडियम में कथावाचक पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक होगी। जिसके लिए वो गुरुवार को रायपुर से भिलाई पहुंचे थे।

निजी धार्मिक कार्यक्रम के लिए सरकारी विमान?

लोगों का कहना है कि, धीरेंद्र शास्त्री एक कथावाचक हैं और किसी भी संवैधानिक पद पर नहीं हैं। ऐसे में निजी धार्मिक आयोजन के लिए सरकारी विमान का उपयोग नियमों के खिलाफ है। सोशल मीडिया पर इसे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला बताया जा रहा है।

प्रेमिका बनी किसी और की दुल्हन बर्दाश्त नहीं कर पाया प्रेमी,फंदे पर झुला

रायगढ़,26 दिसम्बर 2025। एक युवक अपनी प्रेमिका की शादी से दुखी होकर उसने फांसी लगा ली। पिछले कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से डिस्टर्ब था और गुरूवार की रात को अपने कमरे में फांसी के फंदे पर झूल गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक नया गंज का रहने वाला अभिषेक देवांगन 30 साल का प्रेम प्रसंग कोतरा रोड क्षेत्र में रहने वाली 25 वर्षीय युवती के साथ करीब ढाई साल से चल रहा था। जहां दोनों कई बार एक-दूसरे से मिलते थे। वहीं बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिन पहले युवती ने उसे छोड़ दिया और लगभग 3 दिन पहले उसकी शादी हो गई। ऐसे में वह मानसिक रूप से डिस्टर्ब चल रहा था और गुरूवार की रात को अभिषेक ने एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने कहा कि आपको लगता था कि मैं आपे से प्यार नहीं करता। मैंने कभी आपको धोखा नहीं दिया। सच्चे दिल से मोहब्बत किया। वहीं उसने वीडियो में मरने की भी बात कही। जिसके बाद उसने घर में फांसी लगा ली। तभी मामले की जानकारी उसके किसी दोस्त को लगी और वह तत्काल उसके घर पहुंचा। उसके परिजनों को इन बातों को बताकर उसके कमरे में गए,तो वह फांसी पर लटक चुका था। जिसके बाद उसे तत्काल फांसी के फंदे से उतारा गया और अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल ने बताया कि नया गंज में रहने वाले युवक ने फांसी लगा ली है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा मिला है। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर पुलिस आगे की जांच में जूट गई है।

लेखा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के वेतनमान में हुआ संशोधित,आदेश जारी...

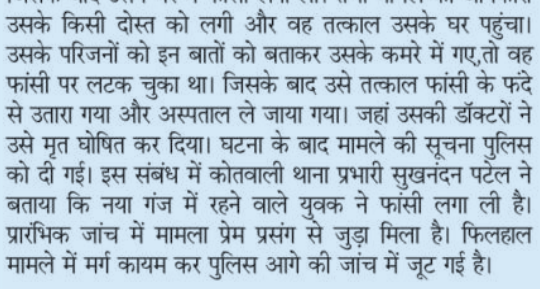

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य लेखा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के वेतनमान में संशोधन का आदेश जारी किया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब लेखा सेवा के अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 के तहत ग्रेड वेतन 4400 रुपये दिया जाएगा। इससे पहले इन अधिकारियों को वेतन मैट्रिक्स लेवल-9 के अंतर्गत ग्रेड वेतन 4300 रुपये मिल रहा था।

बिगड़ती कानून व्यवस्था पर कांग्रेस ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में गत दिनों कांकेर जिले में धर्मांतरण और शव दफनाने के मामले में हुई हिंसा और राजधानी के मैग्नेटो मॉल में क्रिसमस के अवसर पर सजाए गए क्रिसमस ट्री और मॉल में तोड़फोड़ का कांग्रेस ने विरोध किया है।

प्रदेशभर में बिगड़ती कानून व्यवस्था,अराजकता एवं सर्व समाज पर हो रहे अत्याचार को रोक पाने में असफल गृह मंत्री विजय शर्मा से कांग्रेस ने इस्तीफा मांगा है। इस्तीफा न देने पर मंत्रिमंडल से हटाए जाने की मांग की है। गांधी चौक स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, पंकज शर्मा ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताते हुए इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि एक ओर बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या पर प्रधानमंत्री चुप्पी साधे रहते हैं, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में अराजकता फैल रही है। कांकेर में धर्मांतरण और शव दफनाने के लिए हुई हिंसा के बाद छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान सर्व समाज ने किया, लेकिन इस बंद में सर्व समाज की भूमिका कहीं दिखाई नहीं दी। भाजपा और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता ही बंद कराने में सहयोग दे रहे थे। प्रदेश में भाजपा की सरकार है और भाजपा के कार्यकर्ता ही भाजपा सरकार से मांग कर रहे थे, यह बात समझ में नहीं आई।

मुस्लिम समाज पर अत्याचार का विरोध

कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि मुस्लिम समाज के अनेक लोगों को पूछताछ के नाम पर पुलिस उठाकर ले गई और उनके साथ मारपीट की। एक ओर मुस्लिम समाज के लोगों को थाने ले जाना और दूसरी ओर ईसाई समाज के त्यौहार पर मॉल में तोड़फोड़ करने की घटना की कांग्रेस ने निंदा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

बढ़ते अपराध और भाजपा सरकार के गृह मंत्री का पुलिस पर नियंत्रण न होने के विरोध में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भी संबोधित करेंगे।

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को बीजेपी नेताओं ने घेरा...बताया गुमराह नेता...

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सियासत में मुगलों के इतिहास को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बाद पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने ऐसी बात कह दी है कि बवाल मचा हुआ है। दोनों कांग्रेस नेताओं के बयान के बाद भाजपा नेताओं ने भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव को आड़े हाथों लिया है। मामले में कृषि मंत्री रामविचार नेताम के साथ-साथ सांसद संतोष पांडेय ने करारा प्रहार किया है। टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल के बयान को लेकर सांसद संतोष पांडेय ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि गुमराह करने का काम टीएस सिंहदेव करते रहे हैं और कांग्रेस पार्टी करती रही है। प्रियांक खरगे, स्टालिन इन्होंने सनातनियों को डेंगू मच्छर और गालियां दीं। टीएस ने छत्तीसगढ़ को सबसे गुमराह किया है। स्वास्थ्य मंत्री रहने के दौरान भी इन्होंने वैक्सीन का विरोध किया था। पार्टी के लोग भ्रम फैला रहे थे और चुपके से वैक्सीनेशन भी लगवाया। पश्चिम बंगाल में मुगलों के नाम से मस्जिद बनने का समर्थन कर रहे हैं। मैं प्रश्न करता हूं टीएस सिंहदेव से रतनपुर, डोंगरगढ़ में ट्रस्ट है, कूदरगढ़ में भी ट्रस्ट है,आप अंबिकापुर के चढ़ावे का हिसाब दीजिए। ये हमारे संतों के विरोध में बोल रहे हैं,भूपेश बघेल भी वही बोल रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता दोनों को जानती है, उन्हें माफ नहीं करेगी। वहीं,कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी कांग्रेस के दोनों नेताओं पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस दुविधा की स्थिति में है, वो खुद को हिंदुत्व का शुभचिंतक नहीं मानती। अल्पसंख्यकों का वोट पाने उनका माला जपती रहती है, उनका भी वोट कटने लगा तो इस तरह की बात कर रहे हैं। कांग्रेस के साथ कोई नहीं है, न हिंदू न अल्प संख्यक और न ही ईसाई। कांग्रेस कुछ भी कर ले उनका भला होने वाला नहीं है। टीएस सिंहदेव ने कहा था कि 'पहले मुगल बहुत कम संख्या में थे, वे अपने धर्म का विस्तार उस तरीके से नहीं कर सकते थे। हिंदू सभ्यता में जो पुरानी परंपरा और पुरानी पद्धतियां रही है उसमें देखा है कि राज करने वाले संख्या में सीमित रहते थे और दूसरों से संबंध बनाते थे। उसमें धर्म को लेकर कभी भी कोई बात दिखती नहीं थी। टीएस ने कहा कि सम्राट अशोक हिंदू थे, गौतम बुद्ध ने हिंदू परिवार में जन्म लिया,उन्होंने बौद्ध धर्म को नई दिशा दी। लेकिन कहीं किसी को बौद्ध बनाने का काम उन्होंने नहीं किया। 'इतिहास में कहीं ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले जो ये बता सके कि मुगलों ने हिंदुओं पर कार्रवाई की हो,मैं भी इतिहास पढ़ा हूं। इतिहास में मैंने एमए किया है। मैं खुद सरगुजा रियासत से आता हूं,हम भी एक राज परिवार के थे। वहां कितने मुसलमान थे, मुसलमानों के समय में भी सरगुजा रियासत थी। हिंदू सुरक्षित थे।'

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का किराया बढ़ा बिलासपुर से दिल्ली का सफर हुआ महंगा

बिलासपुर,26 दिसम्बर 2025। भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में बढ़ोतरी कर दी है। नए बदलाव के तहत नॉन-एसी और एसी श्रेणियों में प्रति किलोमीटर 1 से 2 पैसे तक किराया बढ़ाया गया है। इसके चलते स्लीपर कोच में बिलासपुर से दिल्ली जैसी लंबी यात्रा पर यात्रियों को लगभग 26 रुपए अधिक चुकाने होंगे, जबकि जनरल कोच में यह बढ़ोत्तरी करीब 13 रुपए की होगी। नया किराया 26 दिसंबर से लागू हो गया है। स्लीपर और प्रथम श्रेणी साधारण कोच के किराए में भी वृद्धि की गई है। हालांकि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार, जीएसटी और किराया राउंडिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर ही लागू होगा। पहले से बुक किए गए टिकटों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची भी नई दरों के अनुसार अपडेट की जाएगी। संशोधित किराया संरचना के अनुसार 215 किलोमीटर तक की द्वितीय श्रेणी साधारण यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों को राहत मिली है। 216 से 750 किलोमीटर तक की यात्रा पर 5 रुपए, 751 से 1250 किलोमीटर पर 10 रुपए, 1251 से 1750 किलोमीटर पर 15 रुपए और 1751 से 2250 किलोमीटर की दूरी पर 20 रुपए की बढ़ोतरी लागू की गई है।

कांग्रेस संगठन को धार देने की तैयारी! छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे राहुल गांधी,जिलाध्यक्षों को देंगे ट्रेनिंग

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन के लिए आने वाला साल खास साबित हो सकता है। अगले महीने पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शिविर प्रस्तावित है, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खुद क्लास लेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बस्तर या सरगुजा संभाग में आयोजित किए जाने की तैयारी है। दोनों ही संभाग आदिवासी बहुल हैं और कांग्रेस की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माने जाते हैं। इस शिविर में जिला अध्यक्षों को संगठन संचालन की बारीकियों से लेकर मीडिया हैंडलिंग, सोशल मीडिया कैंपेन और आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी जिला अध्यक्षों को पूरे कैंप की अवधि तक वहीं रहना अनिवार्य होगा। राहुल गांधी और अन्य केंद्रीय नेताओं के शेड्यूल को अंतिम रूप दिए जाने के बाद पार्टी औपचारिक दिशा-निर्देश जारी करेगी। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा, शशिकांत सेंथिल समेत कई वरिष्ठ नेता और विषय विशेषज्ञ शामिल हो सकते हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी को दो दिनों तक शिविर में मौजूद रहने का प्रस्ताव भेजा गया है। खास बात यह रहेगी कि राहुल गांधी केवल भाषण तक सीमित नहीं रहेंगे। वे जिला अध्यक्षों से आमने-सामने बातचीत भी करेंगे। इस दौरान जिलों की सामाजिक स्थिति, राजनीतिक समीकरण, संगठन की कमजोरियां और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जा सकती है। अनुशासन को लेकर पार्टी सख्त रहेगी। प्रशिक्षण शिविर में जिलाध्यक्षों के गनमैन, ड्राइवर और निजी सहायक को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सभी जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण शुरू होने से एक दिन पहले कैंप स्थल पर पहुंचना होगा। शिविर में शामिल होने से पहले जिला अध्यक्षों को कुछ जरूरी तैयारियां भी करनी होंगी। ठंड के मौसम को देखते हुए पर्याप्त गर्म कपड़े साथ रखने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य के 53 नगरीय निकायों में ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा...

रायपुर,26 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्थानीय स्वशासन को आधुनिक बनाने और नागरिकों को घर बैठे सेवाएं मुहैया कराने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग लगातार नई पहल कर रहा है। शहरों में रहने वाले परिवारों की सुविधा के लिए 53 नगरीय निकायों में ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सुविधा से लोग अपने घर या कार्यस्थल से किसी भी समय अपने संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं। ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा वाले नगरीय निकायों के नागरिकों को संपत्ति कर जमा करने अब न तो किसी कार्यालय में जाने की जरूरत है और न ही लाइन लगने की। वे अपनी सुविधा से किसी भी समय इसे जमा कर सकते हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने लोगों को घर बैठे संपत्ति कर जमा करने की सुविधा प्रदान करने इस साल अगस्त में 46 नए नगरीय निकायों में यह सुविधा प्रारंभ की है। पहले केवल राज्य के सात नगर निगमों रायपुर, दुर्ग, रिसाली, भिलाई, बिलासपुर, कोरबा और रायगढ़ में ही ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा थी। अगस्त-2025 में तीन और नगर निगमों बीरगांव, भिलाई-चरोदा एवं धमतरी के साथ ही 43 नगर पालिकाओं में भी इस सुविधा को लॉन्च किया गया है। जीआईएस आधारित प्रॉपर्टी टैक्स लाइव पोर्टल के जरिए अब प्रदेशभर के 53 नगरीय निकायों में ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस साल 12 अगस्त को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा बिलासपुर में आयोजित 'स्वच्छता संगम' में 43 नगर पालिकाओं में जीआईएस आधारित प्रॉपर्टी टैक्स लाइव पोर्टल को लॉन्च किया था। अगस्त-2025 से तिल्दा-नेवरा,गोबरानवापारा,आरंग,गरियाबंद, बलौदाबाजार,भाटापारा, महासमुंद, बागबहरा, सराईपाली, कुम्हारी,अहिवारा, जामुल, बालोद, दल्लीराजहरा,बेमेतरा, डोंगरगढ़, खैरागढ़, कवर्धा, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, किरंदुल, बड़े बचेली, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, तखतपुर, रतनपुर, मुंगेली, दीपका, कटघोरा, जांजगीर-नैला, चांपा, सक्ती, अकलतरा, खरसिया, सारंगढ़, जशपुर नगर, बलरामपुर, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर और शिवपुर चर्चा नगर पालिकाओं में नागरिकों को ऑनलाइन प्रापर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा मिल रही है। 'छत्तीसगढ़ के सभी नागरिकों को पारदर्शी,सरल और सुविधाजनक सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगरीय निकायों में ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। अब लोगों को कर जमा करने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं और न ही लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हमें प्रसन्नता है कि कोंडागांव,नारायणपुर,कांकेर,दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी डिजिटल सुविधाएँ पहुँच रही हैं और लोग घर बैठे ऑनलाइन टैक्स जमा कर रहे हैं। यह स्थानीय स्वशासन के आधुनिकीकरण के साथ-साथ 'डिजिटल छत्तीसगढ़' के हमारे संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)